डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail -aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

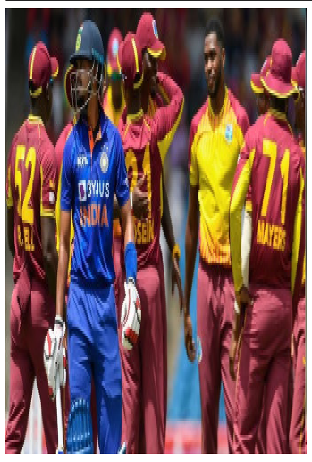

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

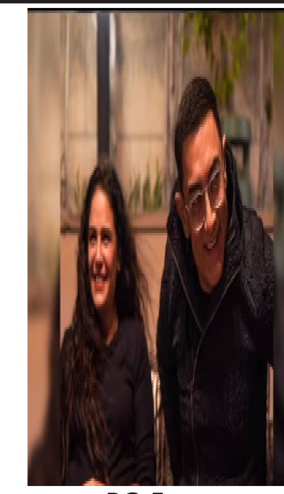

PG-5

सिनेमाः मोना सिंह को ट्रोल किए जाने पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी

वर्ष -08 अंक -134 | प्रयागराज, बुधवार, 03, अगस्त, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

13,734 नए कोविड केस मिले, सक्रिय केस तेजी से घटे

नई दिल्ली । अब कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,40,50,009 हो गई है। बीते 24 घंटे में 27 लोगों ने कोरोना के आगे हार मान ली। इसके साथ ही कुल मृतक संख्या भी बढ़कर 5,26,430 हो गई। बीते 24 घंटे

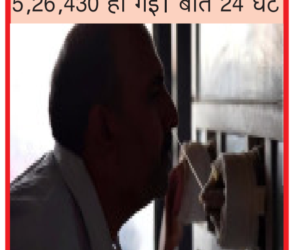

में सक्रिय केस में 4,197 की कमी आई। देश में बीते 24 घंटे में 13,734 नए कोविड केस मिले हैं। हालांकि, सक्रिय केस में तेजी से कमी आई और ये घटकर 1,39,792 हो गए। मंगलवार सुबह आठ बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार अब कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,40,50,009 हो गई है। बीते 24 घंटे में 27 लोगों ने कोरोना के आगे हार मान ली। इसके साथ ही कुल मृतक संख्या भी बढ़कर 5,26,430 हो गई। बीते 24 घंटे में सक्रिय केस में 4,197 की कमी आई। ये घटकर 1,39,792 रह गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ये कुल संक्रमितों की तुलना में 0.32 फीसदी है। राष्ट्रीय कोविड रिकवरी रेट 98.49 फीसदी है।

10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, इन इलाकों में बाढ़ का तांडव, जानें आज का मौसम

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग ने मानसून के दूसरे भाग को लेकर नई जानकारी दी है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार जुलाई की तरह अगस्त और सितंबर में भी भारी बारिश होने के आसार हैं। पूरे भारत में मानसून की बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। कई राज्यों में जहां बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं तो कई राज्यों में किसानों का राहत मिली है। इस बीच भारत मौसम विभाग(घ्ड्ड)ने मानसून को लेकर नई जानकारी देते हुए कहा कि जुलाई की तरह अगस्त और सितंबर में भी भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगस्त और सितंबर में उत्तर भारत में बारिश लोगों को परेशान कर सकती है। आइए अब जानते हैं आज के मौसम का ताजा हाल इन 10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम समेत तमाम राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भारत में तेजी से पांव पसार रहा मंकीपॉक्स, केरल में मिला एक और मरीज, इलाज जारी

केरल। एक और मंकीपॉक्स का मामला सामने आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। मलप्पुरम में 30 वर्षीय संक्रमित का इलाज चल रहा है। भारत में मंकीपॉक्स वायरस तेजी से पांव पसारने लगा है। दक्षिणी राज्य केरल में एक और नया मामला सामने आने के बाद से सरकार की चिंता बढ़ गई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि मलप्पुरम में एक और 30 वर्षीय व्यक्ति में संक्रमण पाया गया है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति 27 जुलाई को कालीकट हवाई अड्डे पर पहुंचा था और लक्षण पाए जाने के बाद उसे आइसोलेट कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मरीज की स्वास्थ्य स्थिति फिलहाल स्थिर है। उसके माता-पिता सहित उसके निकट संपर्क में रहने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में मंकीपॉक्स का यह

पांचवां मामला है। दरअसल, शनिवार को केरल के त्रिशूर में एक 22 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। मृतक में मंकीपॉक्स के लक्षण पाए गए थे और वह हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा कर भारत लौटा था। युवक की रिपोर्ट संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ही मंकीपॉक्स पॉजिटिव आई थी। हालांकि केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि युवक की मौत के कारणों की जांच की जाएगी। उसके नमूनों की रिपोर्ट अब तक आई नहीं है। उन्होंने कहा कि मरीज नौजवान था और उसमें बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी कोई दूसरी दिक्कत नहीं थी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मंकीपॉक्स के लक्षण 6 से 13 दिन के अंदर दिखाई देने लगते हैं। हालांकि कई बार 5 से 21 दिन का समय भी ले सकता है। संक्रमित होने पर अगले 5 दिन के अंदर बुखार, सिरदर्द, थकान और पीठ में दर्द जैसे लक्षण दिखते हैं। बुखार होने के तीन दिन के अंदर त्वचा पर दाने आने लगते हैं। मंकीपॉक्स भले कोरोना जैसे फैल रहा है लेकिन ये कोविड जितना घातक नहीं है। मंकीपॉक्स के लक्षण नजर आएं तो घबराएं नहीं। लक्षणों से मंकीपॉक्स की स्थिति को समझते हुए इलाज कराएं।

पैसा मेरा नहीं, मेरी गैर मौजूदगी में रखा गया

बंगाल। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता के दो फ्लैट से 50 करोड़ से ज्यादा का कैश बरामद किया गया था। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार अर्पिता मुखर्जी ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि मेरे घर से जब्त किया गया पैसा मेरा नहीं है। उन्होंने दावा जवाब देने से बच रहे हैं। हमने चटर्जी से उनके दावों के बारे में पूछा था कि छापे में बरामद नकदी उनकी है या नहीं हम इस धन के स्रोत के बारे में पता लगा रहे हैं। अर्पिता के आठ खाते हो चुके हैं फ्रीज बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय को अर्पिता मुखर्जी के आठ बैंक खातों से आठ करोड़

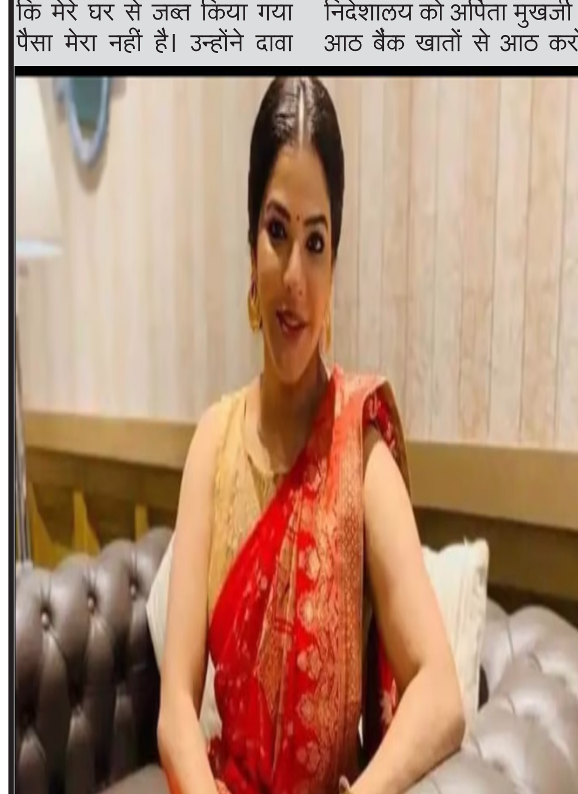

किया कि यह पैसा मेरी गौरमौजूदगी में वहां रखा गया था। दरअसल, कुछ दिन पहले अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों से करीब 50 करोड़ से ज्यादा रुपये बरामद हुए थे। इससे पहले पार्थ चटर्जी भी दावा कर चुके हैं कि पैसा उनका नहीं है। चटर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि वह "साजिश का शिकार" हुए हैं। इससे पहले सोमवार को ईडी ने कहा था कि घोटाले के आरोप में गिरफ्तार पार्थ चटर्जी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। एक अधिकारी ने सोम बताया कि चटर्जी ने कथित स्कूल भर्ती घोटाले की जांच के संबंध में ईडी के ज्यादातर सवालों का जवाब नहीं दिया है। पूछताछ के दौरान ज्यादातर वक्त वे चुप ही रहे। वह गिरफ्तारी के बाद से ही हमारे साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। वह अक्सर थकावट की शिकायत करते हैं और हमारे सवालों के रुपये के लेन-देन का पता चला है। ईडी इन आठ खातों को पहले ही फ्रीज कर चुका है। ईडी अधिकारी अब इन खातों के जरिये हुए लेन-देन का पता लगा रहे हैं। ईडी उन स्रोतों का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी राशि किन खातों से इनके पास आई और कहां-कहां भेजी गई। जरूरत पड़ी तो एजेंसी खातों का फोरेंसिक ऑडिट भी करवा सकती है। माना जा रहा है कि फिलहाल ईडी के पास पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी से जानकारी निकलवाने के लिए तीन दिन ही बचे हैं, क्योंकि रिमांड की अवधि तीन ही शेष है। अर्पिता मुखर्जी के अलावा, पार्थ चटर्जी के दामाद कल्याणमय भट्टाचार्य और उनके मामा कृष्ण चंद्र अधिकारी भी जांच के दायरे में आई कंपनियों के निदेशक पाए गए हैं और आने वाले समय में इनकी जांच भी हो सकती है।

नेशनल हेराल्ड के दफ्तर समेत 14 ठिकानों पर छापा, की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दिल्ली स्थित नेशनल हेराल्ड के दफ्तर में छापा मारा है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी तीन बार पूछताछ कर चुकी है। वहीं राहुल गांधी भी तलब किए गए थे। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दिल्ली स्थित नेशनल हेराल्ड के दफ्तर में छापा मारा है। जानकारी के मुताबिक, ईडी के अधिकारी

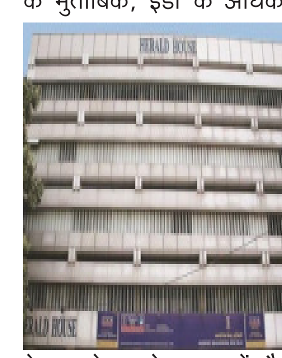

नेशनल हेराल्ड के दफ्तर में मौजूद हैं और तलाशी अभियान चला रही हैं। गौरतलब है कि इस मामले में पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी पूछताछ हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हेराल्ड मामले में देश भर में 14 लोकेशन पर छापेमारी की गई। इसमें नेशनल हेराल्ड का दफ्तर भी शामिल है। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 20 नवंबर 1937 को एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड यानी का गठन किया था। इसका उद्देश्य अलग-अलग भाषाओं में समाचार पत्रों को प्रकाशित करना था। तब के अंतर्गत अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज समाचार पत्र प्रकाशित हुए। भले ही के गठन में पं. जवाहर लाल नेहरू की भूमिका थी, लेकिन इसपर मालिकाना हक कभी भी उनका नहीं रहा। क्योंकि, इस कंपनी को 5000 स्वतंत्रता सेनानी सपोर्ट कर रहे थे और वही इसके शेयर होल्डर भी थे। 90 के दशक में ये अखबार घाटे में आने लगे। साल 2008 तक "व्थ् पर 90 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज चढ़ गया। तब ने फैसला किया कि अब समाचार पत्रों का प्रकाशन नहीं किया जाएगा। अखबारों का प्रकाशन बंद करने के बाद प्रॉपर्टी बिजनेस में उतरी। 2010 में के 1057 शेयरधारक थे। घाटा होने पर इसकी होल्डिंग यंग इंडिया लिमिटेड यानी को ट्रांसफर कर दी गई। यंग इंडिया लिमिटेड की स्थापना उसी वर्ष यानी 2010 में हुई थी। इसमें तत्कालीन कांग्रेस पार्टी के महासचिव राहुल गांधी डायरेक्टर के रूप में शामिल हुए।

स्वप्ना पाटकर से पुलिस ने मांगा ओरिजनल ऑडियो, हत्या व दुष्कर्म की दी गई थी धमकी

नई दिल्ली । आरोप है कि संजय राउत ने पाटकर को ईडी के समक्ष गवाही नहीं देने की धमकी दी थी। इसका ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इसके बाद पाटकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ओरिजनल ऑडियो की कलीना स्थित फोरेंसिक साइंस लैब में जांच कराना चाहती है। ईडी द्वारा गिरफ्तार शिवसेना संजय राउत के खिलाफ मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज धमकाने के मामले में शिकायतकर्ता से ओरिजनल ऑडियो टेप मांगा गया है। राउत के खिलाफ स्वपन पाटकर ने ईडी में शिकायत की है। इसके बाद स्वपन को फोन पर जान से मारने व दुष्कर्म की धमकी दी गई थी। आरोप है कि संजय राउत ने पाटकर को ईडी के समक्ष गवाही नहीं देने की धमकी दी थी। इसका ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इसके बाद पाटकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में रविवार को एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस चाहती है कि पाटकर को कॉल करने वाले की पहचान की जा सके, इसलिए वह ओरिजनल ऑडियो की कलीना स्थित फोरेंसिक साइंस लैब में जांच कराना चाहती है। 2016

के ऑडियो में एक व्यक्ति दे रहा धमकी हाल ही में एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति एक महिला को अभद्र भाषा में धमकी देते सुना जा सकता है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने एक पेन ड्राइव में ऑडियो क्लिप पुलिस को सौंपी थी, लेकिन हमें मूल ऑडियो चाहिए है। यह ऑडियो 2016 में रिकॉर्ड किया गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने एक पेन ड्राइव में ऑडियो क्लिप पुलिस को सौंपी थी, लेकिन हमें मूल ऑडियो चाहिए है। यह ऑडियो 2016 में रिकॉर्ड किया गया था। मूल रिकॉर्डिंग मिल जाएगी, तो हम कॉल करने वाले की पहचान स्थापित करने के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की मदद लेंगे। पाटकर को सुरक्षा प्रदान की गई पुलिस ने राउत के खिलाफ एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और 509 (महिला का अपमान करना) लगाई है। स्वपन पाटकर ने रविवार को पुलिस में अपना बयान दर्ज कराया था। पाटकर के अनुरोध पर उसे सुरक्षा प्रदान की गई है। पाटकर ने पुलिस को बताया था कि उसे एक टाइप किए गए पत्र में दुष्कर्म और हत्या की धमकी दी गई थी। यह पत्र 15 जुलाई को उसके घर आए एक अखबार में डाला गया था।

संजय राउत की गिरफ्तारी पर राज्यसभा में हंगामा, शिवसेना की चर्चा की मांग खारिज

नई दिल्ली । विपक्ष की लगातार मांग के बीच आज राज्यसभा में महंगाई के मुद्दे पर चर्चा होगी। इसके अलावा केंद्र सरकार आज 'पारिवारिक न्यायालय (संशोधन) विधेयक 2022' को पारित करने और विचार करने के लिए भी पेश करेगी। संसद से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें अमर उजाला के साथ संजय राउत की गिरफ्तारी पर राज्यसभा में शिवसेना ने जोरदार हंगामा किया। पार्टी ने नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की इसके बाद स्पीकर ने इस मांग को खारिज कर दी। सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित हुई। संसद के पुस्तकालय भवन में चल रही भाजपा की संसदीय दल की बैठक समाप्त हो गई है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 9 अगस्त से 15 अगस्त तक जो-जो कार्यक्रम होंगे उस पर भाजपा अध्यक्ष ने हमें अवगत कराया है। 9 से 11 अगस्त तक हर घर में तिरंगा के बारे में प्रचार किया जाएगा और 10,11और 12 अगस्त को युवा मोर्चा का तिरंगा बाइक यात्रा होगी। इसके अलावा 11 से 13 अगस्त तक हर बूथ में प्रभातफेरी होगी और 13 से 15 अगस्त तक हर घर में तिरंगा फहराने के लिए कहा गया है। बूथ सशक्तिकरण के बारे में भी भाजपा के अध्यक्ष ने हमें अवगत कराया है।

पीएम मोदी ने प्रोफाइल पिक्चर पर लगाई तिरंगे की तस्वीर, सभी से की यह अपील

नई दिल्ली । 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा था कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' एक जनांदोलन के रूप में तब्दील हो रहा है। उन्होंने जनता से अपील की थी कि 2 से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर के रूप में 'तिरंगे' की तस्वीर लगाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर बदल कर राष्ट्र ध्वज 'तिरंगे' की तस्वीर लगा दी है। उन्होंने देश के लोगों से भी तिरंगा महोत्सव मनाने के लिए एक आंदोलन के रूप में ऐसा ही करने की अपील की है। रविवार 31 जुलाई को प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा था कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' एक जनांदोलन के रूप में तब्दील हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जनता से अपील की थी कि 2 से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल

पिक्चर के रूप में 'तिरंगे' की तस्वीर लगाएं। पीएम मोदी के साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने सोशल मीडिया खातों की डीपी बदल दी। देश हर घर तिरंगा अभियान के लिए तैयार : मोदी पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया खातों की प्रोफाइल पिक्चर बदलने के साथ ट्वीट किया, 'आज 2 अगस्त विशेष दिन है! ऐसे समय में जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमारा देश हर घर तिरंगा अभियान के लिए पूरी तरह तैयार है। तिरंगा महोत्सव एक सामूहिक आंदोलन है। मैंने अपने सोशल मीडिया पेजों पर डीपी बदल दी है और आप सभी से भी ऐसा ही करने का आग्रह करता हूं।पीएम मोदी ने इस मौके पर पिंगली वेंकैया को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र ध्वज की डिजाइन तैयारी की थी। आज यानी 2 अगस्त को वेंकैया की जयंती है। पीएम ने कहा, 'हमें तिरंगा देने के उनके प्रयासों के लिए हमारा देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा, जिस पर हमें बहुत गर्व है। तिरंगे से ताकत और प्रेरणा लेते हुए, हम राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करते रहें।'बता दें, देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर हर घर तिरंगा योजना की शुरुआत की गई है। हर नागरिक को अपने घर पर 13 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा लगाने की अपील की गई है। पिंगली वेंकैया का जन्म दो अगस्त 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम भाटलापेनुमरु में हुआ था। वे ब्रिटिश फौज में सैनिक थे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के कई रूप बनाए थे। 1921 में विजयवाड़ा में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में उनकी एक डिजाइन को मंजूरी दी गई थी। वैंकैया ने जो डिजाइन गांधीजी को बताई थी उसमें हरी और लाल दो धारियां और बीच में चरखा था। गांधीजी ने उन्हें एक सफेद पट्टी जोड़ने को कहा था।पहली बार 1921 से कांग्रेस की सभी बैठकों में वेंकैया द्वारा तैयार झंडे को अनौपचारिक रूप से मंजूरी दी गई थी।

शुआट्स में यूजी काउंसिलिंग में प्रथम दिन 450 ने कराया पंजीकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
नैनी, (प्रयागराज)। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स), प्रयागराज में सनतक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसिलिंग सोमवार को प्रारम्भ हुई जिसमें क्रिश्चियन एवं सामान्य वर्ग के लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया। चेयरमैन प्रवेश परीक्षा और एडमीशन डॉ. सी. जॉन वेस्ली के अनुसार प्रथम दिन आयोजित यूजी काउंसिलिंग में अभ्यथिर्यों ने बीएससी कृषि, हार्टीकल्चर, फारेस्ट्री, डेयरी टेकनेलॉजी, बीबीए, बीफार्मा, बीटेक कृषि अभियांत्रिकी, मैकेनिकल, डेयरी टेकनेलॉजी आदि विषयों में प्रवेश के लिए पंजीकरण कराया। डा. वेस्ली के अनुसार मंगलवार की काउंसिलिंग हेतु मेरिट क्रमांक 301-800 तक के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। डा. वेस्ली ने बताया कि विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाईट पर उल्लेखित विषयों में प्रवेश हेतु ओपेन आनलाईन काउंसिलिंग द्वारा भी सनतक व परासनतक विषयों में छात्र-छात्राओं का प्रवेश लिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने रद्द किया

प्रयागराज । प्रारंभिक परीक्षा का परिणामहाईकोर्ट ने पीसीएस-2021 की तरह ही ग्रुप-सी और ग्रुप-बी पदों पर भी पूर्व सैनिकों को आरक्षण का लाभ देने निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा ने एयरफोर्स के जूनियर वारंट ऑफिसर सतीश चंद्र शुक्ला व तीन अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। पीसीएस भर्ती परीक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीसीएस-2021 प्रारंभिक परीक्षा के पूर्व में जारी परिणाम को रद्द करते हुए पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण का लाभ देकर संशोधित परिणाम जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इसके लिए एक महीने का समय दिया है। कोर्ट ने कहा है कि प्रारंभिक परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी होने के बाद मुख्य परीक्षा कराई जाए, उसके बाद साक्षात्कार का आयोजन किया जाए। कोर्ट ने पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी का आरक्षण का लाभ देने पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से जारी पीसीएस-2021 प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को विकृत करार देते हुए रद्द किया है। कोर्ट के इस आदेश से भर्ती परीक्षा के चल रहे साक्षात्कार पर भी असर पड़ेगा। याचियों के अधिवक्ता एबीएन त्रिपाठी की ओर से कोर्ट के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 10 मार्च 2021 अपने गजट नोटिफिकेशन में यूपी लोक सेवा, शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए आरक्षण संशोधन अधिनियम 2021 के तहत सभी ग्रुप की नौकरियों में भर्ती के लिए पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था बनाई है। इसे आयोग की ओर से निकाली गई भर्ती प्रक्रिया से पहले ही जारी कर दिया गया था लेकिन आयोग ने इस प्रावधान को लागू नहीं किया और पूर्व सैनिक अभ्यथिर्यों को बिना

आरक्षण दिए ही प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। आयोग का यह कदम अवैध और मनमाना है। इसे रद्द किया जाना चाहिए। पूर्व सैनिकों को 1993 से पहले भी मिल रहा रहा था भतिर्यों में आरक्षण याची के अधिवक्ता की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि 1993 से पहले पूर्व सैनिकों को सभी ग्रुप ए, बी, सी और डी की भतिर्यों में आरक्षण दिया जा रहा था। ए व बी ग्रुप में आठ फीसदी और बी व सी में तीन फीसदी का आरक्षण दिया जा रहा था। 1993 के बाद नए आरक्षण नियम लागू होने से पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण दिया जाने लगा। बाद में ए व बी ग्रुप में आरक्षण दिया जाना बंद कर दिया गया। इस पर सतीश चंद्र शुक्ला की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। जिस पर कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा था। सरकार की ओर से कहा गया था कि इस मामले में सरकार की ओर से विचार किया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने पांच फीसदी का आरक्षण दिए जाने का आदेश दिया था। उसी आदेश के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने 2021 के संशोधित गजट नोटिफिकेशन के तहत पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था बनाई लेकिन उसका पालन न करने पर यह याचिका दाखिल की गई। याचिका में पीसीएस-2021 और वन विभाग में सहायक वन संरक्षक के पदों पर भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण दिए जाने की मांग की गई। कोर्ट ने याची के तर्कों को स्वीकार करते हुए पीसीएस-2021 की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया और पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी का आरक्षण का लाभ देते हुए संशोधित परिणाम जारी करने का आदेश दिया है।

घर में सो रहे दंपती पर धारदार हथियार से हमला, पति की मौत

प्रयागराज ।पत्नी की हालत गंभीरमंगलवार सुबह प्रेमप्रकाश घर में ही खून से लथपथ मृत पड़े मिले जबकि उनकी पत्नी नीरजा मिश्रा (62) गंभीर रूप से जख्मी हाल में मिलीं। पत्नी को फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जनपद के गंगापार क्षेत्र में एक और दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। सोरांव के जुड़ापुर दांदू गांव में घर के भीतर सो रहे बुजुर्ग दंपति पर धारदार हथियार से हमला किया गया। इसमें पति की मौत हो गई जबकि पतने की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक प्रेम प्रकाश मिश्रा 65 वर्ष घर पर ही बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते थे मंगलवार सुबह वह घर में ही खून से लथपथ मृत पड़े मिले जबकि उनकी पतने नीरजा मिश्रा गंभीर रूप से जख्मी हाल में मिलीं। पत्नी को फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पति पत्नी पर धारदार हथियार से हमला किया गया है। सोरांव पुलिस के साथ ही आला अफसर मौके पर पहुंच चुके हैं और जांच पड़ताल जारी है।पुलिस परिजनों से पूछताछ में जुटी है फिलहाल उन्होंने किसी रंजिश की बात से इंकार किया है। ऐसे में यह भी आशंका जाहिर की जा रही है कि वारदात में किसी घुमंतू गिरोह का हाथ हो। गौरतलब है कि प्रयागराज का गंगापार क्षेत्र लगातार सामूहिक हत्याकांड उसे दहल रहा है। इनमें से हाल की दो घटनाएं फाफामऊ के गोहरी गांव और थरवई के खेवराजपुर में हुई थीं। गोहरी में 5 और खेवराजपुर में एक ही परिवार के 4 लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया था। दोनों घटनाओं में दो युवतियों व एक महिला से दुष्कर्म भी किया गया था पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

सरगना को इंटर कॉलेज के लेक्चरर ने भेजी थी आंसर-की, संदिग्धों की तलाश में जुटी एसटीएफ

प्रयागराज । सरगना विजयकांत को एक दिन पहले एसटीएफ ने उसके दो साथियों दिनेश कुमार यादव व सोनू कुमार के साथ पकड़ा था। सूत्रों का कहना है कि मुकदमा लिखकर गिरफ्तार किए जाने से पहले उनसे फाफामऊ थाने में विस्तृत पूछताछ हुई। लेखपाल भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गिरोह के भंडाफोड़ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पता चला है कि सोरांव से पकड़े गए सॉल्वर गिरोह के सरगना विजयकांत पटेल को प्रशन्पत्र की भर्ती परीक्षा प्रशन्पत्र की आंसर-की लेक्चरर समर सिंह यादव ने उपलब्ध कराई थी। वह मूल रूप से फूलपुर का रहने वाला है और वर्तमान समय में कौशाम्बी के एक सरकारी कॉलेज में तैनात है हालांकि विजयकांत कॉलेज का नाम नहीं बता पाया। इसके अलावा यह भी बताया कि इस गिरोह को प्रशन्पत्रों की आंसर-की उपलब्ध कराने का काम किशनलाल पुत्र उमेशचंद्र भी करता है। वह मूल रूप से बहरिया के अतनपुर का रहने वाला है। इस

आंसर-की कौशाम्बी स्थित इंटर कॉलेज के लेक्चरर ने भेजी थी। दो अन्य लोगों की संलिप्तिता भी सामने आई है। तीनों को वांछित कर एसटीएफ के साथ ही फाफामऊ पुलिस भी उनकी तलाश में जुट गई है। सरगना विजयकांत को एक दिन पहले एसटीएफ ने उसके दो साथियों दिनेश कुमार यादव व सोनू कुमार के साथ पकड़ा था। सूत्रों का कहना है कि मुकदमा लिखकर गिरफ्तार किए जाने से पहले उनसे फाफामऊ थाने में विस्तृत पूछताछ हुई। इस दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। पता चला कि विजयकांत को लेखपाल खुलासे के बाद से पुलिस टीमें दोनों के बारे में पता लगाने में जुट गई हैं। लेक्चरर के बारे में पता लगाया जा रहा है कि वह कौन से कॉलेज में तैनात है और फूलपुर में किस गांव का रहने वाला है। उधर, किशनलाल के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। आंसर-की का रेट प्रति सेट दो लाख रुपये 0 गिरोह के पकड़े गए सदस्यों से पूछताछ में कई अन्य अहम जानकारियां भी मिलीं। 0 सरगना विजयकांत ने बताया कि आंसर-की उपलब्ध कराने के लिए कौशाम्बी स्थित कॉलेज का लेक्चरर और किशनलाल मोटी रकम वसूलते थे वह आंसर-की के हर सेट के दो लाख रुपये वसूलते थे इसमें प्रशन्पत्र आउट कराकर इसे सॉल्व कराने का भी खर्चा शामिल है। केंद्र प्रबंधन से सांठगांठ कर वह परीक्षा शुरू होने के कुछ देर बाद ही प्रशन्पत्र मंगा लेते थे। इसके बाद सॉल्वर से इसे सॉल्व कराकर प्रशन्पत्र सेट के आधार पर अलग-अलग आंसर-की तैयार करते। फिर यही आंसर-की नकल माफिया गिरोह को भेजी जाती। ए, सी व जी सेट की आंसर-की मिली मोबाइल में कौशाम्बी के लेक्चरर व किशनलाल ने सरगना विजयकांत को तीन सेट के प्रशन्पत्र की आंसर-की उपलब्ध कराई थी। इनमें ए, सी व जी सेट की आंसर की शामिल है। पकड़े जाने के दौरान जब विजयकांत के व्हाट्सएप अकाउंट को चेक किया गया तो चैट में आंसर-की मिली। मोबाइल से डिलीट कर दिए थे प्रवेश पत्र सूत्रों का कहना है कि पकड़े जाने के दौरान तलाशी व जांच पड़ताल की गई तो पता चला कि सरगना विजयकांत के मोबाइल में ढेरों परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र व जीडीएस परीक्षा से संबंधित प्रपत्रों की भी सॉफ्ट कॉपी मौजूद थी। हालांकि उसने बचने के लिए इन्हें डिलीट कर दिया था। लेकिन जब एसटीएफ ने मोबाइल में रिसेंटली डिलीटेड फोल्डर चेक किया तो प्रवेश पत्र व अन्य प्रपत्र मिल गए। दिल्ली से मंगाया था ईयर बड, ब्लूटूथ डिवाइस सॉल्वर गिरोह के सदस्यों ने बताया कि बरामद ब्लूटूथ डिवाइस व इय्यर बड दिल्ली से मंगाए गए थे। यह काम प्रशांत नाम का युवक करता है। वह इससे पहले भी गिरोह को उपकरणों की सप्लाई कर चुका था।

गिरफ्तार प्रधानाचार्य समेत चारों आरोपी भेजे गए जेल आरोपियों में दो महिलाएं भी

प्रयागराज । गिरफ्तार आरोपियों में प्रधानाचार्य शबनम परवीन, उसका बेटा शाहबान, महिला कक्ष निरीक्षक हुमा बानो और कार्यालय प्रभारी गिरिराज गुप्ता शामिल हैं। यह सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट संदीप यादव की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में नामजद थे। करेली के चेतना गर्ल्स इंटर कॉलेज में लेखपाल

भर्ती परीक्षा के दौरान महिला परीक्षार्थी को नकल कराने के मामले में प्रधानाचार्य समेत चार लोग गिरफ्तार कर लिए गए। इनमें प्रबंधन का काम देखने वाला प्रधानाचार्य का बेटा व दो कक्ष निरीक्षक भी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद इन सभी को कोर्ट में पेश किया गया। वहां रिमांड मंजूर होने पर इन्हें नैनी जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रधानाचार्य शबनम परवीन, उसका बेटा शाहबान, महिला कक्ष निरीक्षक हुमा बानो और कार्यालय प्रभारी गिरिराज गुप्ता शामिल हैं। यह सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट संदीप यादव की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में नामजद थे। मामले में पांच अन्य लोग भी नामजद हैं। इनमें प्रबंधन का ही काम देखने वाला प्रधानाचार्य का एक अन्य बेटा कासान, कार्यालय सहायक महाबीर सिंह, कक्ष निरीक्षक मालाधारी सिंह, परीक्षार्थी रितू सिंह व एक अज्ञात आरोपी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अज्ञात आरोपी उस शख्स को बनाया गया है जो परीक्षा शुरू होने से लेकर खत्म होने तक लगातार बेरोकटोक कक्ष में आता-जाता रहा। सूत्रों का कहना है कि जब इस संबंध में गिरफ्तार की गई प्रधानाचार्य व अन्य आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने उसके बारे में जानकारी होने से इंकार कर दिया। हुमा ने इतना जरूर बताया कि उसके बारे में फरार कासान ही जानकारी दे सकेगा। एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शिमला से आ रहे सेब से ज्यादा महंगी हुई शिमला मिर्च

प्रयागराज । मानसून आने के बाद से ही सब्जियों के दाम में बढ़त जारी है। लेकिन बीते एक सप्ताह के दौरान ही सब्जियों के दाम में एकबारगी खासा इजाफा हो गया है। सबसे ज्यादा आग हरी सब्जी में तकरीबन दो गुना बढ़े हैं। शहर की तमाम सब्जी मंडियों में भिंडी 50 से 60 रुपये किलो में मिल रही है। नेनुआ के दाम भी 20 रुपये किलो से बढ़कर 30 से 40 रुपये हो गए हैं। लौकी प्रति नग 20 से कहना है कि बारिश की वजह से लोकल हरी सब्जियों की अवाक कम होने से उसका रेट बढ़ा है। अगर प्रयागराज में बाढ़ आई तो सब्जियों का दाम और ज्यादा बढ़ जाएगा। प्रयागराज की थोक मंडी

के दाम में लगी है। आटा, दाल एवं अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाने से रसोई का बजट लोगों का गड़बड़ा रहा है। अब रही सही कसर बाजार में सब्जियों की कीमतों में आए उछाल ने पूरी कर दी है। बीते एक सप्ताह के दौरान ही आलू समेत तमाम हरी सब्जियों की कीमतों में खासा उछाल आया है। कुछ सब्जियों के दाम एक सप्ताह में ही दोगुना हो गए हैं। मानसून आने के बाद से ही सब्जियों के दाम में बढ़त जारी है। लेकिन बीते एक सप्ताह के दौरान ही सब्जियों के दाम में एकबारगी खासा इजाफा हो गया है। सबसे ज्यादा आग हरी सब्जी के दाम में लगी है। पिछले सप्ताह 45 से 60 रुपये किलो में बिक रहे परवल के दाम 90 से 100 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। यही स्थिति भिंडी की भी है। एक सप्ताह में ही भिंडी के दाम फुटकर बाजार 40 रुपये में उपलब्ध है। इस बीच आलू के दाम में भी इजाफा हुआ है। सोमवार को मुंडेरा थोक मंडी में जी-4 आलू का दाम 20 रुपये किलो रहा, जबकि फुटकर में यही आलू अब 30 से 35 रुपये में बिक रहा है।राहत की बात यह है कि टमाटर के दाम बीते कुछ दिनों से स्थिर हैं। थोक मंडी में टमाटर 15 से 20 एवं फुटकर में 25 से 35 रुपये किलो में मिल जा रहा है। हरी मिर्च का दाम भी 100 रुपये किलो होने से लोग परेशान हैं। इसी तरह शिमला मिर्च 130 से 150 रुपये किलो हो गई, जबकि शिमला से आने वाले सेब के दाम 100 से 120 रुपये किलो ही हैं। गृहणी रुचि छावड़ा ने बताया कि महंगाई इस कदर बढ़ रही है कि घर का बजट ही संभालना मुश्किल हो रहा है। उधर, फल सब्जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश कुमार कुशवाहा का मुंडेरा में सेब की आवक बीते कुछ दिनों से बढ़ गई है। अभी यहां हिमाचली सेब ज्यादा आ रहा है। हिमाचल में भी शिमला और उसके आसपास का सेब ही प्रयागराज के बाजार में छाया हुआ है। फल के थोक आढ़ती बच्चा यादव ने बताया कि बीते कुछ दिनों से औसतन दो ट्रक सेब प्रयागराज आ रहा है। अभी एक पेटी सेब का दाम थोक में एक हजार रुपये है एक पेटी में 15 किलो सेब रहता है। वहीं फुटकर बाजार में सेब के दाम 100 से 120 रुपये किलो हैं। जल्द ही कश्मीरी सेब भी यहां आने शुरू हो जाएंगे। शहर के बाजार में अलग-अलग दाम होने के बारे में आढ़ती मुनन कुशवाहा बताते हैं कि लोकल ट्रांसपोर्ट का किराया ज्यादा होने की वजह से ही जो सेब 80 से 90 रुपये किलो में बिकने चाहिए, उसके फुटकर कारोबारी 100 से 120 रुपये वसूल रहे हैं।

बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से सम्पर्क करें -जिलाधिकारी

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतागपढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं के स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्रीकरण के कार्यक्रम का शुभारम्भ तहसील सदर सभागार में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देश के क्रम में 31 मार्च 2023 तक मतदाताओं के स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर का एकत्रीकरण विशेष कैम्पों को लगाकर किया जायेगा। दिनांक 07 अगस्त और 21 अगस्त 2022 को सभी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ बैठेगें और फार्म-6बी भरवाकर एकत्रित करेगें और आधार को मतदाता पहचान पत्र से लिंक किया जायेगा। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फार्म-6बी में मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर प्राप्त किया जायेगा। उन्होने सभी लोगों से अपील करते हुये कहा कि सभी लोग स्वैच्छिक रूप से अपने आधार को मतदाता पहचान पत्र से लिंक अवश्य करा लें। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के नियम-23 के अनुसार सम्मिलित मतदाताओं द्वारा आधार नम्बर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960 के उप नियम-26 बी द्वारा अधिसूचित फार्म-6बी में दिया जायेगा। फार्म-6बी आनलाइन एनवीएसपी डाट इन पर उपलब्ध रहेगा। मतदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रूप से उपलब्ध आधार की गोपनीयता पूर्ण रूप से रखी जायेगी। किसी भी स्थिति में आपके आधार नम्बर को सार्वजनिक नहीं किया जायेगा। आधार नम्बर उपलब्ध न कराने पर भी मतदाता सूची में आपका नाम नहीं कटेगा। उन्होंने बताया कि आधार नम्बर को बीएलओ के माध्यम से फार्म-6बी भरकर अथवा आनलाइन नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल, वोटर पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन मोबाईल एप पर मतदाता पहचान पत्र से लिंक किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलायी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि निर्वाचकों कें पंजीकरण से सम्बन्धित फार्मो में आंशिक संशोधन किया गया है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने/अपमार्जित करवाने/संशोधन करवाने के लिये नए फार्म प्रयोग में लाये जायेंगें। उन्होने बताया कि प्रथम बार आवेदन कर रहे नये मतदाताओं के पंजीकरण हेतु फार्म-6, निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति एवं पूर्व में शामिल नाम को अपमार्जित करवाने के लिये फार्म-7 तथा निवास परिवर्तन/निर्वाचक नामावली में संशोधन/मतदाता पहचान पत्र का प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्म-8 का प्रयोग किया जायेगा। इसके अतिरिक्त उन्होने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावलियां तैयार किये जाने हेतु अब वर्ष में 04 अन्हता तिथिया क्रमशः 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गई है। राजकीय बालिका इण्टर कालेज प्रतापगढ़ की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा सहित डा0 विन्ध्याचल सिंह, धर्मेन्द्र कुमार ओझा, खुर्शीद अहमद आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 मोहम्मद अनीस द्वारा किया गया।

माफिया अतीक से खाली कराई गई जमीन पर बन रहे हर एक फ्लैट के 80 दावेदार

प्रयागराज ।लूकरगंज फ्लैट का निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। यहीं कारण है कि मुख्यमंत्री ने इन फ्लैट के निर्माण

की नींव स्वयं ही पिछले साल दिसंबर में रखी थी माफिया अतीक अहमद से लूकरगंज में खाली कराई गई जमीन पर बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के 76 फ्लैट के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 31 जुलाई को समाप्त हो गई। आवेदन के बाद एक फ्लैट पर 80 दावेदारी सामने आए हैं। ऐसे में अपने घर का सपना किसका साकार होगा, यह पीडीए की लॉटरी निकालने के बाद ही साफ हो सकेगा। लूकरगंज फ्लैट का निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। यहीं कारण है कि मुख्यमंत्री ने इन फ्लैट के निर्माण की नींव स्वयं ही पिछले साल दिसंबर में रखी थी। समय-समय पर निर्माण कार्यो की समीक्षा की जाती है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से इन फ्लैट के लिए आवेदन प्रक्रिया इस वर्ष 30 जून से शुरू हुई थी। आवेदन कर्ताओं के पास 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन का मौका था। हालांकि शुरू में लग रहा था माफिया अतीक के डर के कारण हो सकता है कि आवेदन करने वालों की संख्या कम रहे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 76 फ्लैट के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वालों की संख्या 6071 पर पहुंच गई। यानी एक फ्लैट के लिए करीब 80 लोगों ने दावेदारी दी है। ऐसे में खुद के आशियाना हासिल करने का सपना किसका साकार होगा, यह तो लॉटरी के बाद साफ हो सकेगा।

नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के सामने ट्रैक पर साइकिल छोड़कर भागा सवार

प्रयागराज । दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर मंगलवार की शाम एक बार फिर बड़ा हादसा टल गया। सुजातपुर रेलवे स्टेशन के समीप नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के सामने ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति साइकिल छोड़कर भाग गया। साइकिल ट्रेन के जेनरेटर ऑन बैगन कोच में फंसकर क्षतिग्रस्त हो गई। इससे तकरीबन 20 मिनट तक स्टेशन पर ट्रेन रुकी रही। इस मार्ग पर हफ्ते भर के भीतर यह दूसरी घटना हुई। सिराथू रेलवे स्टेशन से सुजातपुर रेलवे स्टेशन के मध्य खंभा नम्बर 874/20-22 के बीच शाम लगभग

5:30 बजे कानपुर की ओर से आ रही ट्रेन संख्या 12506 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के सामने कोई व्यक्ति ट्रैक पर साइकिल फेंककर भाग गया। साइकिल नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस से टकराने के बाद जनरेटर ऑन बैगन कोच (विद्युत आपूर्ति के लिए लगा जनरेटर वाला कोच) में फस गई। कर्मचारियों ने सुजातपुर स्टेशन पर ट्रेन रोककर कोच में फंसी साइकिल को निकाला। इस दौरान नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस 20 मिनट सुजातपुर स्टेशन पर खड़ी रही। आरपीएफ के भरवारी चौकी इंचार्ज सुरेंद्र पासवान का कहना है कि साइकिल सवार की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़कर सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

आशुतोष सिन्हा के जन्म दिन उनके समर्थकों ने वृद्धा आश्रम में केक काटकर मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सैदपुर। विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा के जन्म दिन उनके समर्थकों ने लंगड़पुर स्थित वृद्धा आश्रम में केक काटकर मनाया तथा इस अवसर पर उनके समर्थकों ने दीर्घायु होंने की तथा निरन्तर प्रगति करने की कामना किया । इस अवसर पर छावनी लाइन लंगड़पुर स्थित वृद्धा आश्रम में वृद्धजनों को मिष्ठान एवं फल वितरित किया गया । समर्थकों ने एक दूसरे को केक खिलाकर बधाई भी दी । इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला उपाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव,परमानन्द श्रीवास्तव, चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, संदीप राय, अरविंद सिन्हा,संजय श्रीवास्तव,पवन श्रीवास्तव,अनुराग श्रीवास्तव, मुनन लाल,अनुज राय,गोलू राय,आशीष राय,सौरभ राय,नूर आलम,मनीष यादव,विशाल, अप्पू यादव आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के संयोजक एवं विधान परिषद सदस्य माननीय आशुतोष सिन्हा जी के प्रतिनिधि पप्पू लाल श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोरखपुर में 03 अगस्त को वृहद रोजगार मेले का होगा आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतागपढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्राधानाचार्य बी0बी0 सिंह ने आमजन मानस को सूचित किया कि दिनांक 03 अगस्त 2022 को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय गोरखपुर में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वृहद रोजगार मेले का आयोज किया जा रहा है। इस मेले में सफल एवं गुणवत्तापूर्ण आयोजन में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के मुख्यालय के अधिकारियों की सहभागिता के कारण कई नामचीनी कम्पनियॉ सम्मिलित होगीं। समस्त उत्तीर्ण युवा/युवतियँ वृहद रोजगार मेले में सम्मिलित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। शिशिक्षु एवं नियोजन प्रभारी से विस्तृत जानकारी हेतु जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ से सम्पर्क किया जा सकता है।

9वीं के छात्र की मौत से उबाल, केंद्रीय विद्यालय बीएचयू के गेट पर धरने पर बैठे

वाराणसी। छात्रकेंद्रीय विद्यालय बीएचयू के कक्षा नौ के छात्र मयंक यादव की आत्महत्या के बाद धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया है। छात्रों की मांग है कि मयंक ने जिनकी प्रताड़ना भी वजह से आत्महत्या जैसा घातक कदम उठाया उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में कक्षा नौ के छात्र मयंक यादव की आत्महत्या के बाद धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया है। मंगलवार सुबह 7 बजे स्कूल के ड्रेस में दर्जनों की संख्या में पहुंचे छात्रों ने मयंक की बड़ी बहन तनीषा के साथ मुख्य गेट बंद कर धरने पर बैठ गए। न्याय की मांग वाली तख्ती लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद प्रिंसिपल और प्राक्टोरियल बोर्ड के सदस्य पहुंचे। सभी ने विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों को समझा कर गेट खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र उनकी बातों को अनसुना कर आरोपी वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एसीपी भेलूपुर प्रवीण कुमार ने छात्रों से बातचीत कर गेट खुलवाने और धरना खत्म कराने का प्रयास किया। तब पर भी छात्र एसीपी भेलूपुर की बातों मानने के लिए बिना कार्रवाई हुए धरना खत्म करने के लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद एसीपी भेलूपुर ने प्रिंसिपल से बातचीत कर घटनाक्रम की जानकारी ली। दोपहर 12 बजे एसीपी भेलूपुर ने छात्रों को मयंक को न्याय दिलाने का आश्वासन देकर धरना खत्म कराया। परिजनों का आरोप है कि स्कूल में गलती से मोबाइल लेकर चले जाने पर शिक्षकों और प्रिंसिपल ने अपमानित और प्रताड़ित किया। क्लास से सस्पेंड कर दिया। इसी तनाव में उसने खुदकुशी की है। उधर, विद्यालय के प्रिंसिपल ने आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि छात्र विद्यालय में वीडियो बना रहा था। इस पर उसे केवल समझाया गया था। बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान में कार्यरत पिता संतोष ने बताया कि कुछ दिन पहले वाइस प्रिंसिपल ने विद्यालय में वीडियो बनाने का आरोप लगाकर बच्चे को डांट लगाई थी और उसे क्लास में आने से मना कर दिया था। बहन ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र, न्याय की लगाई गुहार मयंक की बहन और केवी बीएचयू में दसवीं की छात्रा तनिष्का ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भाई के मौत की जांच की मांग कर न्याय की गुहार लगाई है। अपने पत्र में लिखा है कि विद्यालय प्रबंधन की ओर से छात्रों के साथ सही बर्ताव न करने की शिकायत के बाद भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। 28 जुलाई को मिली थी मयंक को नोटिस केंद्रीय विद्यालय बीएचयू के प्राचार्य की ओर से मयंक को 28 जुलाई को नोटिस दी गई थी। मयंक के पिता संतोष कुमार यादव के नाम से दी गई नोटिस में मयंक पर अनुशासनहीनता, विद्यालय के नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। इस नोटिस के बाद से ही मयंक दुखी चल रहा था।

दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी, क्रासिंग बंद होने से लगा जाम

वाराणसी। इंदारा की तरफ से आ रही मालगाड़ी सोमवार रात 8.37 बजे रसड़ा रेलवे स्टेशन से एक किमी पहले दो हिस्सों में बंट गई। चालक को इसकी जानकारी तब हुई, जब मालगाड़ी रसड़ा रेलवे लेकर गया। इंदारा की तरफ से आ रही मालगाड़ी सोमवार रात 8.37 बजे रसड़ा रेलवे स्टेशन से एक किमी पहले गढ़िया रेलवे क्रासिंग को पार कर चुकी थी। कपलिंग लूज होने के चलते मालगाड़ी

स्टेशन पर पहुंची। बलिया में मऊ-रसड़ा रेल खंड स्थित छितौनी रेलवे फाटक के पास सोमवार की देर शाम मऊ की ओर से आ रही मालगाड़ी हुक निकलने से दो हिस्सों में बंट गई। इसके चलते छितौनी क्रासिंग बंद होने से रसड़ा-नगरा मार्ग पर जाम लग गया। जानकारी होने के बाद चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर मालगाड़ी को रोका और ट्रेन को पीछे ले जाकर छूटे डिब्बों को जोड़कर मालगाड़ी को आगे के पीछे के गार्ड समेत कुछ डब्बे अलग होकर पीछे छूट गए। चालक को इसकी जानकारी तब हुई, जब मालगाड़ी रसड़ा रेलवे स्टेशन पर पहुंची रेल कर्मचारियों की मदद से मालगाड़ी को वापस ले जाया गया। पीछे छूटे बोगियों को जोड़कर मालगाड़ी रसड़ा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद खड़ी हो गई। इसके चलते छितौनी क्रासिंग भी काफी देर तक बंद रही। इस वजह से रसड़ा-नगरा मार्ग पर जाम लग गया।

लड़कियों ने कुश्ती में दिखाया दमखम, कहा- हम किसी से कम नही

वाराणसी। नागपंचमी के अवसर पर मंगलवार को तुलसी घाट स्थित स्वामीनाथ अखाड़े में लड़कियों ने कुश्ती में दमखम दिखाया और उम्दा प्रदर्शन किया। दंगल का शुभारंभ महंत विशंभर नाथ मिश्र ने अखाड़े पर स्थित हनुमान जी का पूजन अर्चन कर किया। नागपंचमी के जी का पूजन अर्चन कर किया इसके पश्चात पहलवानों ने अखाड़े का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया। इसके पश्चात प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला पहलवान खुशी एवं पुरुष पहलवान कमल के बीच हुआ। दोनों ने जमकर जोर आजमाइश की। इसके बाद खुशी एवं पलक, आगे बढ़ रही हैं। जब वह हर क्षेत्र में आगे जा रहे हैं तो पहलवानी में क्यों कम रहें। 5 वर्ष पूर्व स्वामीनाथ अखाड़े में लड़कियों को कुश्ती दंगल का अभ्यास कराना शुरू किया गया था। आज स्वामीनाथ अखाड़े से निकली लड़कियां राज्यस्तरीय, राष्ट्र स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय लेवल पर

अवसर पर मंगलवार को तुलसी घाट स्थित स्वामीनाथ अखाड़े में दंगल का आयोजन किया गया। लड़कियों ने कुश्ती में दमखम दिखाया और उम्दा प्रदर्शन किया। लड़कियों ने कुश्ती में कौशल दिखाकर बताया कि अब हम किसी से कम नहीं। इसके पूर्व दंगल का शुभारंभ महंत विशंभर नाथ मिश्र ने अखाड़े पर स्थित हनुमान खुशबू व सृष्टि, अंजली एवं पायल, सोनी अनुराधा के बीच में रोमांचक कुश्ती हुई वहीं पुरुष पहलवानों में हर्ष पटेल एवं प्रतीक यादव, प्रांजल एवं सौरव, ऋषभ व करण के बीच रोमांचक कुश्ती हुई। मैच के रेफरी विजय यादव थे। इस अवसर पर अखाड़ा स्वामीनाथ के महंत विशंभर नाथ मिश्र ने कहा कि आज महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल हो रही हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस अवसर पर कल्लू पहलवान, श्यामलाल, रामसुंदर, पप्पू यादव, सुरेश मोहन, मेवा पहलवान, सुरेश यादव, मुकेश पहलवान, रामयश मिश्र, विश्वनाथ यादव उर्फ छेदी, स्वर्णप्रताप चतुर्वेदी सहित काफी संख्या में पहलवान उपस्थित थे। 4 वर्षीय रेयान्श यादव पहलवान लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए थे।

पिता बोले- 'मेरे लाल का कांस्य देश के माथे पर सोने से भी तेज चमक रहा है

वाराणसी। वाराणसी के सपूत विजय यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो में देश को कांस्य पदक दिलाया है। पदक वाली बात जब बनारस में उनके माता-पिता के पास पहुंची तो उनकी आंखों से खुशियों के आंसू बहने लगे। रात के 10 बजे मोबाइल की घंटी से उनके पिता दशरथ यादव की नींद टूटी और खबर सुनने के बाद तो उनके पांव जमीन पर ही नहीं पड़ रहे थे। आंखें छलक रही थीं और सीना गर्व से चौड़ा हो गया और बरबस ही उनके मुंह से निकला मेरे लाल का कांस्य देश के माथे पर सोने से भी तेज चमक रहा है। बेटे के पदक पर उनकी मां चिंता देवी ने कहा- 'बहुत खुशी हो रही है। मेरा बेटा बचपन से ही बहुत मेहनत करता आया है। वे ऐसे ही बहुत आगे बढ़े और देश का और हमारा नाम रोशन करे' वहीं, विजय के पिता दशरथ यादव ने भी अपने भाव व्यक्त किए- 'पहले मैं लोहे के

कारखाने में काम करता था लेकिन पैरालिसिस होने के बाद मैंने वो काम छोड़ दिया और अब मैं गाड़ी चलाकर अपने परिवार का जीवन चला रहा हूं। मेरे दो बच्चे हैं, सरकार हमारी मदद करे तब हमारे लड़के आगे बढ़ पाएंगे। शुरुआत बहुत कठिन थी, वो कभी पैदल, साइकिल से आता-जाता था, मेरे बेटे ने बहुत मेहनत की है। उसने 2 एशियन और 4 नेशनल में स्वर्ण पदक जीता है। वह करीब 2015 से नेशनल में स्वर्ण पदक जीत रहा है। सुलेमापुर गांव के लिए विजय का कांस्य जीतना किसी त्योहार से कम नहीं था। गांव भर में विजय के जीत की सूचना जैसे ही फैली, गांव वाले भी गौरवान्वित हो उठे। पिता दशरथ यादव और मां चिंता देवी ने कहा कि मेरा बेटा तो लंबे समय से देश के लिए तपस्या कर रहा था। आज बेटे की तपस्या सफल हो गई और उसको फल मिल गया। यह तो अभी शुरुआत है, उसको अभी और आगे जाना है।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, आधार कार्ड से हुई पहचान

बलिया। में फेफना थाना के सागरपाली गांव के खेत स्थित पेड़ से 26 वर्षीय युवक का शव फंदे पर लटका मिला। जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान सहतवार थाना के दुधइला निवासी पिंटू राम के रूप में हुई। बलिया में फेफना थाना के सागरपाली गांव के खेत स्थित पेड़ से 26 वर्षीय युवक का शव फंदे पर लटका मिला। सुबह पेड़ पर लटकते शव को देख क्षेत्र में खलबली मच गई। सूचना पाकर पहुंचे थाना प्रभारी पारसनाथ सिंह ने जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान सहतवार थाना के दुधइला निवासी पिंटू राम पुत्र सोहसित राम के रूप में की। शिनाख्त के बाद परिजनों को मामले की सूचना दे दी गई है। अभी तक परिवार के लोग थाने नहीं पहुंचे थे। परिजनों के आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मौत को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस गुत्थी को सुलझाने में लगी है। उधर, सोनभद्र के रनू गांव निवासी शिव नारायण (30) का शव घर से

करीब पचास मीटर दूर सीधा के पेड़ के नीचे पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। युवक के गले में फंदे की तरह गमछा बंधा था। ग्राम प्रधान व बीडीसी सदस्य ने पुलिस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंची दुद्धी कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तकनीकी खराबी से नहीं हो सकी गवाही, अगली तारीख 16 अगस्त

वाराणसी। 15 जुलाई 2001 को मुख्तार अंसारी अपने निर्वाचन क्षेत्र मऊ जा रहे थे। दोपहर करीब 12. 30 बजे मुहम्मदाबाद कोतवाली के उसरी चट्टी पर उनके काफिले पर हमलावरों ने स्वचालित हथियारों आरोपी बृजेश और त्रिभुवन सिंह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित होना था। लेकिन वाराणसी से तकनीकी खराबी के कारण उनकी उपस्थिति नहीं हो पाई। ऐसे में न्यायालय ने गवाही

से फायरिंग की थी। इसमें मुख्तार अंसारी के गनर की मौत हो गई थी। एक हमलावर की भी मौत हुई थी। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम एमपी/ एमएलए कोर्ट रामसुध सिंह की अदालत में 21 वर्ष पुराने बहुचर्चित उसरी चट्टी हत्याकांड में सोमवार को गवाही होनी थी। न्यायालय में गवाह रमेश राम पुलिस सुरक्षा में उपस्थित थे। इधर, के लिए 16 अगस्त की तिथि तय की है। साथ ही सेंट्रल जेल वाराणसी के अधीक्षक को उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। 15 जुलाई 2001 को मुख्तार अंसारी अपने निर्वाचन क्षेत्र मऊ जा रहे थे। दोपहर करीब 12. 30 बजे मुहम्मदाबाद कोतवाली के उसरी चट्टी पर उनके काफिले पर हमलावरों ने स्वचालित हथियारों से फायरिंग की थी। इसमें मुख्तार अंसारी के गनर की मौत हो गई थी। एक हमलावर की भी मौत हुई थी। इस दौरान मुख्तार अंसारी के साथ चलने वाले पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे। इस मामले में मुख्तार अंसारी ने बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह को नामजद और 15 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था। विवेचना उपरांत पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र प्रेषित किया था। इसमें से दो आरोपी की विचारण के दौरान मौत हो गई। पिछले कई तारीखों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये लिंक न मिलने के कारण अभियुक्त बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह हाजिर अदालत नहीं हो पा रहे हैं, जिससे रमेश राम की गवाही नहीं हो पा रही हैं। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए 16 अगस्त को सेंट्रल जेल वाराणसी के अधीक्षक को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। मिर्जापुर जेलर को आदेश दिया है कि वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आरोपी की उपस्थिति नियत तिथि पर सुनिश्चित करें। मालूम हो कि आरोपी बृजेश सिंह वाराणसी सेंट्रल जेल और आरोपी त्रिभुवन सिंह मिर्जापुर जेल में निरुद्ध हैं।

गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी, कल 125 करोड़ की विकास परियोजनाओं का देंगे तोहफा

गोरखपुर । सीएम योगी बुधवार दिन में फरियादियों की समस्याएं सुनेंगे। इसके बाद दोपहर में एमएमएमयूटी में आयोजित रोजगार गोरखनाथ मंदिर में चल रहे दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में हिस्सा लिए और विजेता पहलवानों को पुरस्कृत

मेला में शामिल होंगे। वहां से निकलकर वह बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में नगर निगम के 125 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण -शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंच गए हैं। वह यहां किए। गोरखपुर केसरी भगत सिंह यादव, गोरखपुर कुमार अनिल यादव, वीर अभिमन्यु जनार्दन यादव को विजेता चुना गया। बुधवार की सुबह मुख्यमंत्री, मंदिर में फरियादियों की समस्याएं सुनेंगे इसके बाद दोपहर में एमएमएमयूटी में आयोजित रोजगार मेला में शामिल होंगे। वहां से निकलकर वह बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में नगर निगम के 125 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण -शिलान्यास करेंगे। शाम को आयुक्त सभागार में विकास कार्यो की समीक्षा करेंगे। इन कार्यों का होगा शिलान्यास 15वें वित्त आयोग एवं नगर निगम की निधि से 11.16 करोड़ रुपये की विभिनन वार्डों में 95 सड़क एवं नाली क निर्माण पार्षद वरीयता के तहत वार्डों में 32 करोड़ रुपये की विभिनन परियोजनाएं 15वें वित्त आयोग एवं नगर निगम की 14.11 करोड़ की लागत से 44 पेयजल आपूर्ति के कार्य करीब 2.65 करोड़ रुपये की लागत से 50 टीपीडी क्षमता का विध्वंस अपशिष्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना विभिनन वार्डों में 52.34 लाख की लागत से चार पार्कों का सुंदरीकरण एवं मानबेला में छठ पोखरा का निर्माण जलनिकासी के लिए 20.11 लाख की लागत से पंप की खरीद।

सनातन संस्कृति में नाग पंचमी पर्व का धार्मिक महत्व- राम अनुज धर द्विवेदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। धर्म और सनातन संस्कृत में नाग पंचमी पर्व का अत्यंत धार्मिक महत्व है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष के पंचमी तिथि पर पड़ने वाला नाग पंचमी का यह पर्व हमारी संस्कृति और परंपरा को सास्वत बनाता है। इस दिन अखाड़ों में कुश्ती लड़ने, लम्बी कूद के अखाड़े कूदने, सनने से गुड़िया पीटने,पटना को लम्फाने व झूलने , झूला झूलने , कजरी गाने और सुनने, गुड़ व सोंठ के गोझे खाने की पारंपरिक रीति रिवाज हम सनातन संस्कृत के उपासक सार्थकता प्रदान करते हैं। ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों को गुड़िया के पावन पर्व की ये यादें आज मस्तिष्क पटल पर सहज ही चित्रित हो उठती हैं। इस त्यौहार पर पहलवान दंगल में लड़कर ईनाम जीतने के लिए लालायित रहते हैं, तो लड़कियां गुडिया पीटने और सावन के गीत गाने के लिए उत्सुक रहती हैं । यह बात है मंगलवार को नाग पंचमी पर्व की महकता पर प्रकाश डालते हुए श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा संस्थान महुआंव पाण्डेय, घोरावल के संस्थापक राम अनुज धर द्विवेदी ने कहीं । उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित परम्परानुसार लोग सुबह उठकर गाय व बैलों को सींग में कंधे पर हल्दी युक्त सरसों का तेल लगाकर खरी नमक खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। साथ ही गाय के गोबर से पूरे घर को गोंठा जाता है और घर की साफ सफाई पुता?ई आदि भी गृहणियों द्वारा किया जाता है। तदुपरांत सनन करने के बाद कुछ लोगों द्वारा नाग देवता को लावा दूध चढ़ाया जाता है। साथ ही गो शाला में हूम कर नाग देवता की आराधना की जाती है। इस दिन लोगों द्वारा अपने घरों में व शिवालयों में भगवान शिव का दर्शन पूजन अभिषेक आदि कार्यक्रम भी किया जाता है। इसके बाद आज घर में अच्छे पकवान जैसे कड़ी,बरी,इड़हल,रसाज, आदि अनेकों प्रकार के व्यंजन अपने सुविधानुसार गृहणियां बनाती हैं। इस दिन सभी वर्ग के लोग कुरी डाकने, कुश्ती लड़ने, पूजा पाठ, ख़ान पान पर्यटन आदि में अपनी रूचिनुसार कार्यक्रम करते हैं। इस पर्व को लोग बड़े ही उत्साह से मनाते हैं।

सेनानियों का शिला पट्टिका से नाम है नदारद

प्रशासनिक उपेक्षा के शिकार हैं राबर्ट्सगंज नगर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

राबर्ट्सगंज (सोनभद्र)। संपूर्ण देश-प्रदेश- में आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, इसके अंतर्गत स्वतंत्र संग्राम सेनानियों के सम्मान में स्मारक, स्मृति द्वार, सड़कों- भवनों का नामकरण, स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े स्थलों का जीर्णोद्धार, सेनानियों के गांव तालाबों को अमृत सरोवर के रूप में तब्दील करने का जहां एक और तेजी के साथ जिला प्रशासन द्वारा कार्य कराया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के सेनानियों की अभी तक उपेक्षा की जा रही है। स्वतंत्र भारत का इतिहास में यह बताता है कि मिर्जापुर के दक्षिणांचल के आंदोलन का नेतृत्व सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी व्यापारी रईस नेता बलराम दास केसरवानी ने आदिवासी, जंगली इलाकों में पद यात्राएं कर आम जनता में आजादी का अलख जगाया था। आजादी के रजत जयंती वर्ष में जब वर्तमान सोनभद्र मिर्जापुर जनपद का भूभाग था, उस समय नगर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम की पट्टिका चाचा नेहरू बाल उद्यान में लगाई गई थी लेकिन दुर्भाग्य रहा कि इस प्रस्तर पट्टीका से जनपद मिर्जापुर के सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी देशभक्त सेनानी सन 1921 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता आंदोलन में अपना तन- मन- धन न्योछावर करने वाले, 15 अगस्त 1947 को नगर में उच्च शिक्षण संस्थान की नीव रखने वाले, स्वतंत्र भारत के रॉबर्ट्सगंज टाउन एरिया के प्रथम अध्यक्ष बलराम दास केसरवानी इनके सहयोगी सरकारी नौकरी से त्यागपत्र देकर नगर से स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली,झांसी, मिर्जापुर जेल में अंग्रेजों की क्रूरता, अत्याचार सहने वाले, सजा काटने वाले, जुर्माना झेलने वाले क्रांतिकारी चंद्रशेखर वैद्य, ब्रिटिश हुकूमत में पटवारी पद से इस्तीफा देकर आंदोलन में कूद पड़ने वाले एवं सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन नगर से सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले अली हुसैन उर्फ बेचू के निडरता, निभ्यता की कहानी आज भी लोगों में प्रचलित है कि पराधीनता मे भी राबट्र्सगंज नगर के दरोगा पुरुषोत्तम सिंह के घर/थाना के सामने खड़े होकर भारत माता की जय का नारा लगाते हुए देश भक्ति गीत गाते थे ऐसे इतिहास पुरुषों को जिला प्रशासन मिर्जापुर वर्तमान प्रशासन सोनभद्र भूल चुका है इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी ने बताया है कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ जिला प्रशासन सोनभद्र द्वारा हर्ष उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया है। जिला प्रशासन द्वारा अपनी कार्य योजना में जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के चाचा नेहरू बाल उद्यान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी बलराम दास केसरवानी की मूर्ति, यहां पर अवस्थित गौरव स्तंभ में नगर के सेनानियों का नाम अंकित कराते हुए इनके नाम पर स्मृति द्वार, चौराहा का नामकरण, सेनानियों के आवास के आसपास स्थित तालाबों को अमृत सरोवर में तब्दील करने जैसा कार्य करना चाहिए। ताकि भावी पीढ़ियां इन क्रांतिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सदकर्मी से शिक्षा प्राप्त कर देश सेवा कर सके।

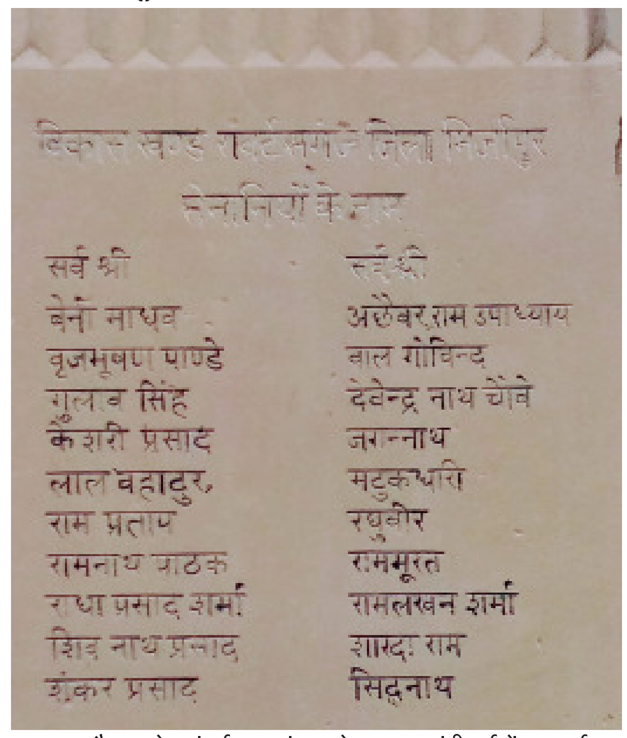

एक लाख से अधिक शिवभक्तों ने शिवद्वार में टेका मतथा

घोरावल। सावन के तीसरे सोमवार को शिवद्वार में बड़ी संख्या में कांवरियों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। शिवद्वार में एक लाख से अधिक शिवभक्त एवं कांवरियों ने दर्शन पूजन एवं अभिषेक किया। इसके पूर्व शुक्रवार व शनिवार को गेरूआ वस्त्र धारण किए हजारों कांवरियों ने मिर्जापुर के बरिया घाट से गंगा जल एवं सोनभद्र के विजयगढ़ दुर्ग के ऐतिहासिक रामसरोवर से पवित्र जल कांवड़ में भरकर बोल बम का जयकारा लगाते हुए जलाभिषेक व दर्शन के लिए शिवद्वार की ओर चल पड़े। सोमवार की भोर में आरती के बाद मंदिर का कपाट खुला। लाइन पर पहले से लगे भक्तों ने दर्शन पूजन शुरू किया। देर शाम तक एक लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन पूजन किया। सुरक्षा व्यवस्था में उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह, तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव, सीओ संजीव कटियार, प्रभारी निरीक्षक गोपालजी, शिवद्वार चौकी प्रभारी आशीष पटेल आदि चक्रमण करते रहे। मंदिर के मुख्य पुजारी सुरेश गिरि, सतीश गिरि, अजय गिरि, शिवराज भक्तों को दर्शन पूजन कराने में जुटे रहे। हर महादेव से गूंजा वातावरण शक्तिनगर। बीना क्षेत्र के कोहरौलिया स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में श्रावण माह के तीसरे सोमवार को कांवरियों का जत्था हनुमान मंदिर झिंगुरदह के पास स्थित टिप्पा झरिया से जल उठाकर जलाभिषेक किया। सोमवार प्रातः काल से ही हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए जल लेकर भक्त निकले तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में कोहरौलिया, मिसरा, घरसड़ी, जवाहर नगर, चंदुआर, जमशीला, बरवानी, बस स्टैंड, बांसी, ककरी, अनपरा, डिबुलगंज, बैरपान, सिदहवां, के कई सौ कांवरिया श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना किया। प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी रामचंद्र गिरी व्यवस्था बनाने में लगे हुए थे। इसी क्रम में सीएचपी शिव मंदिर, चंदुआर मोहन ब्रह्म बाबा पहाड़ी शिव मंदिर, बीना कालोनी शिव मंदिर, सहित क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से शाम तक शिव भक्तों ने पूजा अर्चना के साथ जलाभिषेक किया।

जीवन बाबा के जेल से भागने की कहानी जानने के लिए ग्वालियर गई टीम

सोनभद्र। जुटाए साक्ष्यजीवन बाबा ने मध्य प्रदेश में हत्या कर जेल से भाग कर आश्रम में शरण लिया था। जीवन बाबा ने जनवरी माह में खौलता तेल फेंका था। जिसके बाद उसे आश्रम से निकाल दिया गया था। मामले की जांच के लिए डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने एडीएम शिव प्रताप शुक्ला और एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की है जीवन बाबा ने मध्य प्रदेश में हत्या कर जेल से भाग कर आश्रम में शरण लिया था। जीवन बाबा ने जनवरी माह में खौलता तेल फेंका था। जिसके बाद उसे आश्रम से निकाल दिया गया था। मामले की जांच के लिए डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने एडीएम शिव प्रताप शुक्ला और एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की है जीवन बाबा ने मध्य प्रदेश में हत्या कर जेल से भाग कर आश्रम में शरण लिया था। जीवन बाबा ने जनवरी माह में खौलता तेल फेंका था। जिसके बाद उसे आश्रम से निकाल दिया गया था। मामले की जांच के लिए डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने एडीएम शिव प्रताप शुक्ला और एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की है। टीम ने बीते शनिवार को आश्रम जाकर स्वामी अड़गड़ानंद से बात करने के साथ ही वहां रहने वाले साधुओं से पूछताछ की थी। तत्पश्चात पुलिस टीम जीवन बाबा का आपराधिक इतिहास खंगालने और अन्य जानकारी इकट्ठा करने के बाद शिवपुरी मध्य प्रदेश रवाना हुई। वहां टीम ने छानबीन की तो जीवन बाबा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास सहित चार आपराधिक मामलों की जानकारी हुई।इसके बाद पुलिस टीम उसके जेल से भागने की कहानी जानने के लिए ग्वालियर जेल रवाना हुई है। पुलिस इस बिंदु पर प्रमुखता से जांच कर रही है कि जीवन बाबा जेल से भागने के बाद आश्रम में कब आया और आश्रम से निकाले जाने के बाद वह कहां रहा। इसके लिए पुलिस उसके काल डिटेल की भी पड़ताल कर रही है। एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस टीम शिवपुरी के बाद ग्वालियर जेल गई है। वहां भी जांच पड़ताल कर टीम मंगलवार को लौटेगी।

मुख्यमंत्री से मिलने के लिए मिर्जापुर से बालक ने शुरू की लखनऊ की दौड़, देखने के लिए लगी भीड़

मिर्जापुर। अटल चौक से सोमवार को सुबह एक बालक मुख्यमंत्री से मिलने के लिए दौड़ते हुए निकल पड़ा। इसको देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रयागराज के छह वर्षीय बादल बिंद ने 23 जुलाई 2021 को प्रयागराज से 16 दिन लगातार पैदल चलकर दिल्ली पहुंच कर बहादुरी का परिचय दिया था।मिर्जापुर के अटल चौक से सोमवार को सुबह एक बालक मुख्यमंत्री से मिलने के लिए दौड़ते हुए निकल पड़ा। इस बालक को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रयागराज के नरोत्तम ललितपुर, मांडा खास निवासी छह वर्षीय बादल बिंद ने 23 जुलाई 2021 को प्रयागराज से 16 दिन लगातार पैदल चलकर दिल्ली पहुंच कर बहादुरी का परिचय दिया था पिता कृष्णकांत बिंद ने कहा कि उनके बेटे की इच्छा है कि वह इस छोटी सी उम्र में ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मैराथन के माध्यम से नाम दर्ज कराने के लिए विंध्याचल के अटल चौक से मुख्यमंत्री कार्यालय दौड़कर पहुंचे। पिता ने बताया कि बादल की यह तीसरी दौड़ है। इससे पहले काजल निषाद के साथ प्रयागराज से लखनऊ और प्रयागराज से ही दिल्ली के लिए दौड़ लगा चुका है। गोल्ड प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त करते हुए बादल बिंद ने सोमवार को पत्रकारों से हुई वार्ता में कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम से हमारी शुरू हुई यात्रा लखनऊ मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंच कर समाप्त होगी।

गर्भवती की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

मिर्जापुर। जिला महिला अस्पताल परिसर में स्थित 100 बेड के मैटरनिटी विंग में सोमवार को प्रसव के लिए आई गर्भवती महिला की मौत हो गई। मौत होने पर परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर तोड़फोड़ की। हंगामा की सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया मडिहान थाना क्षेत्र के बघोड़ा गांव निवासी बबूल अपनी पतनी सोनी (22) को प्रसव पीड़ा होने पर सोमवार को सुबह राजगढ़ सीएचसी लेकर गए। वहां से उन्हें रेफर कर दिया गया। परिजन दोपहर में जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर देख डॉक्टर उन्हें 100 बेड के मैटर्निटी विंग में ले गए। जहां दिन में अपराह्न साढ़े तीन बजे के करीब उपचार के दौरान गर्भवती की मौत हो गई। मौत होने पर परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में आपरेशन करने में देर की गई। आक्रोशित परिजनों ने हंगामा करते हुए अस्पताल में तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली मौके पर पहुंच गए। शहर कोतवाल अरविंद मिश्रा ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अस्पताल में लापरवाही के चलते लगातार मौत हो रही है। अभी एक माह पहले ही जिला महिला अस्पताल में एक प्रसूता की मौत होने पर हंगामा हुआ था। जिसमें डॉक्टर पर मुकदमा भी दर्ज हुआ। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। वहीं अस्पताल के डॉक्टर एसपी सिंह ने बताया कि जिला महिला अस्पताल से रेफर होकर आने पर सवा एक बजे देखा गया। देखने से लग रहा था खून की कमी है। जांच कराने पर हीमोग्लोबिन सही पाया गया। बीपी बढ़ने से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। कुछ इंजेक्शन दिए गए। हालत बिगड़ने पर आईसीयू में ले गए, जहां महिला की मौत हो गई।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई० एस० ओ० प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0स0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 15 अगस्त 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

रोहित नहीं चले तो 20 ओवर भी नहीं खेल पाया भारत, कप्तानी में भी फ्लॉप रहे हिटमैन

नई दिल्ली। दूसरे टी20 में ओबेड मैकॉय ने भारत की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। वहीं, गेंदबाजी के दौरान भी टीम इंडिया कुछ खास नहीं कर पाई। इस मैच में रोहित की कप्तानी भी समझ से परे थी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज ने पांच विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही कैरिबियाई टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और ओबेड मैकॉय ने पहली ही गेंद में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पवेलियन भेज दिया। यहीं से समझ आ गया था कि इस मैच में भारत को मुश्किल होने वाली है। हालांकि, टीम इंडिया अब ज्यादा आक्रामक होकर खेलती है और रोहित के आउट होने के बाद भी बल्लेबाज बड़े शॉट खेलते रहे। बासेतेरे की पिच में गेंद अच्छी गति और उछाल के साथ बल्ले पर आ रही थी, लेकिन भारतीय बल्लेबाज जोर लगाकर शॉट खेलना चाहते थे। इसी वजह से एक-एक कर भारत के विकेट गिरते रहे। 19.4 ओवर में पूरी टीम 138 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 19.2 ओवर जरूर लिए, लेकिन आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया। मैच की पहली गेंद में कप्तान रोहित के आउट होते ही टीम इंडिया बैकफुट पर आ गई थी। इसके बाद हार्दिक और जडेजा ने 43 रन की साझेदारी की तो लगा कि भारत मैच में वापस लौटेगा, लेकिन होल्डर ने हार्दिक को आउट कर भारत को वापसी से रोक दिया।

139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 46 रन बनाए। यहीं से उसकी जीत तय हो गई थी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए यह मैच बेहद खराब रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए वो मैच की पहली गेंद पर खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। इसके बाद गेंदबाजी के समय उनकी कप्तानी समझ से परे रही। बासेतेरे की पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। ओबेड मैकॉय ने पहली पारी में छह विकेट भी लिए थे, लेकिन रोहित ने भुवनेश्वर कुमार को सिर्फ दो ओवर दिए। भले ही भुवी ने दो ओवर में सिर्फ 12 रन दिए थे। छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए वेस्टइंडीज के विकेट गिराना जरूरी था और भुवनेश्वर मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी और काबिल गेंदबाज थे, लेकिन उनसे पूरे चार ओवर न कराना समझ से परे था। वेस्टइंडीज के कप्तान पूरन के लिए यह दिन बेहद अच्छा रहा। पहले उन्होंने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का फैसला किया। ओबेड मैकॉय ने छह विकेट लेकर उनके फैसले को सही साबित किया। पूरन ने अपने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल कर भारत को 138 रन पर रोका। हालांकि, वो बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। चौथे नंबर पर ऋषभ पंत ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने बड़ी पारी नहीं खेली, लेकिन अच्छी लय में दिखे। टी20 में उनका फॉर्म में रहना भारत के लिए बेहद जरूरी है। नकारात्मक पहलूः एक बार फिर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पूरी टीम को समेट दिया। पिछले कुछ सालों में कई बार ऐसा हुआ है, जब भारतीय टीम बाएं हाथ के किसी तेज गेंदबाज को नहीं खेल पाई और अकेले एक गेंदबाज ने भारत को हरा दिया। इस मैच में भी ऐसा ही हुआ। हार्दिक को छोड़ कोई बल्लेबाज 30 रन के पार भी नहीं जा सका। टीम इंडिया पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। पावरप्ले में 56 रन बनाने वाले भारत ने बाकी 13.4 ओवर में सिर्फ 82 रन बनाए। ओबेड मैकॉय ने शानदार गेंदबाजी की और छह विकेट लेकर अपने दम पर मैच जिताया। ओडियन स्मिथ को छोड़ सभी गेंदबाजों ने कंजूसी से रन दिए। होल्डर, हुसैन और जोसेफ ने भी अहस साझेदारियां तोड़ी। बल्लेबाजी में ब्रैंडन किंग ने बेहतरीन 68 रन बनाए। विकेटकीपर डेवोन थॉमस ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। नकारात्मक पहलूः बाकी गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद ओडियन स्मिथ ने 10 से ज्यादा के इकोनॉमी रेट से रन लुटाए।

रजत पदक पक्का करने वाली लॉन बॉल टीम से दो बार मिले थे धोनी

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी ने किया खुलासालॉन बॉल में भारत पहली बार कोई पदक पक्का कर पाया है। उसने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया। भारतीय महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में नॉरफ्लॉक आइसलैंड को हराया था। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को लेकर भी जागरुक रहते हैं। वह फुटबॉल खेलते हुए कई बार देखे गए हैं। धोनी पिछले दिनों इंग्लैंड में थे। वह हाल ही में भारत लौटे हैं लॉन बॉल में भारत का पहला पदक पक्का लॉन बॉल में भारत पहली

फाइनल में टीम इंडिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए सोमवार (एक अगस्त) को महिला लॉन बॉल टीम ने इतिहास रच दिया। वह मजबूत न्यूजीलैंड को 16-13 से हराकर पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पहली बार फाइनल में पहुंची है। लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की की भारतीय चौकड़ी ने कमाल का प्रदर्शन दिया। मैच जीतने के बाद लवली चौबे ने भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। लवली ने बताया कि धोनी बर्मिंघम में ट्रेनिंग के दौरान दो बार महिला लॉन बॉल टीम से मिले थे। लवली ने कहा, एमएस धोनी सर हमारे प्रशिक्षण क्षेत्र में हमसे मिलने के लिए दो बार आए हैं। वह लॉन बॉल के बारे में बहुत कुछ जानते हैं धोनी बार कोई पदक पक्का कर पाया है। भारतीय महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में नॉरफ्लॉक आइसलैंड को हराया था। फाइनल में टीम इंडिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। अफ्रीकी टीम ने फिजी को 16-14 से हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया है। न्यूजीलैंड लॉन बॉल की दिग्गज टीम भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया है, क्योंकि कीवी टीम के पास इस खेल में 40 पदक हैं। वह दुनिया की शीर्ष पांच लॉन बॉल टीमों में शामिल है। भारतीय चौकड़ी एक समय मैच में 0-5 से पीछे चल रही थी। इसके बावजूद टीम ने वापसी की और 7-6 की बढ़त हासिल कर ली। बाद में यह बढ़त 10-7 की हो गई। यहां से भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उसने लगातार स्कोर किए और न्यूजीलैंड को हरा दिया।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने की शादी, नौ महीने पहले बने थे पिता

नई दिल्ली। पैट कमिंस ने बेकी बॉस्टन के साथ शादी की है। शादी के बाद उन्होंने फोटो भी शेयर की है। उनके साथी खिलाड़ी डेविड वॉर्नर ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। कमिंस और बॉस्टन नौ महीने के बच्चे के पिता है। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने बेकी बॉस्टन के साथ शादी कर ली है। कमिंस ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए लिखा ठजस्ट इस सीरीज में सिर्फ दो विकेट लिए थे और 47 रन बनाए थे। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज में उन्होंने आठ विकेट लिए थे और बल्ले से 39 रन बनाए थे। पैट कमिंस टेस्ट में नंबर एक गेंदबाज हैं। वो दूसरे स्थान पर काबिज अश्विन से 49 प्वाइंट्स आगे हैं। वहीं, टेस्ट में ऑलराउंडर रैंकिंग में कमिंस सातवें स्थान पर हैं। वो वेस्टइंडीज के कायल मेयर्स और न्यूजीलैंड के कॉलिन डे ग्रांडहोम और

मैरिडठ। कमिंस की इस फोटो में डेविड वॉर्नर ने कमेंट करते हुए लिखा ठबधाई हो साथीठ। कमिंस की आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी उनको शुभकामनाएं दी। कमिंस और बेकी बॉस्टन नौ महीने पहले ही एक बच्चे के माता-पिता बने थे, जिसका नाम अल्बी है।कमिंस आखिरी बार श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज में नजर आए थे। श्रीलंका में यह सीरीज एक-एक की बराबरी पर छूटी थी। कमिंस ने काइल जेमीसन से आगे हैं। कमिंस ने अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज जिताई थी। इसके बाद पाकिस्तान जाकर पाकिस्तान की टीम से टेस्ट सीरीज जीती। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज ड्रॉ रही। पैट कमिंस को टिम पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में उनका शुरुआती रिकॉर्ड शानदार है।

राशीफल

मेष-ःआप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-ःआज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-ःकोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-ःआज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-ःबेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-ःआज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-ःतनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-ःआज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-ःअपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-ःआज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-ःअपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-ःतनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

हमारे पास विकेट के लिए मिट्टी तक नहीं सलमान बट ने पीसीबी चीफ पर साधा निशाना

नई दिल्ली। सलमान बट्ट ने कहा कि पाकिस्तान में विकेट में डालने के लिए मिट्टी तक नहीं है। आप बाहर से कोच ला रहे हैं। आप बाहर से पिच ला रहे हैं। पीसीबी अध्यक्ष भी बाहर से क्यों नहीं लाते। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट्ट ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान में विकेट में डालने के लिए मिट्टी तक नहीं है। आप बाहर से कोच ला रहे हैं। आप बाहर से पिच ला रहे हैं। पीसीबी अध्यक्ष भी बाहर से क्यों नहीं लाते। पाकिस्तान में जूनियर क्रिकेट लीग की शुरुआत हो रही है और इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर और न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो को मेंटर के रूप में नियुक्त करने की पुष्टि की थी। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक को पहले ही लीग में मेंटर नियुक्त किया जा चुका है। वहीं, सलमान बट्ट को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इसी वजह से उन्होंने पीसीबी पर कटाक्ष किया है। रमीज राजा पर सलमान का हमलअपने

आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर सलमान बट्ट ने कटाक्ष करते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास अपना कोई मेंटर नहीं है, जैसे कि देश के पास विकेट तैयार करने के लिए ठकोई मिट्टी नहींठ है। यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तान द्वारा ड्रॉप-इन पिचों का उपयोग करने के संदर्भ में थी। उन्होंने आगे कहा ठऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जो पाकिस्तान में युवाओं को मेंटर कर सके। वहां कोई नहीं है। हमारे पास पाकिस्तान में विकेट लेने के लिए मिट्टी भी नहीं है और आप मेंटर्स की बात कर रहे हैं। आपको अलग-अलग देश से ड्रॉप-इन पिचें, अलग-अलग देश की मिट्टी, अलग-अलग देशों के कोच और मेंटर्स लाने पड़ते हैं। किसी और देश से चेयरमैन भी लाओ, नहीं? इस बारे में बात करने के लिए कुछ भी नहीं है। इससे पहले इमरान ताहिर ने पीजेएल में मेंटर नियुक्त किए जाने पर खुशी जाहिर की थी। ताहिर का जन्म पाकिस्तान में हुआ था, लेकिन उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया। ताहिर ने कहा ड्डएक टीम मेंटर की भूमिका में पाकिस्तान जूनियर लीग के लिए लाहौर लौटना मेरी सबसे संतोषजनक उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि मैं अभी भी मेरा इस देश के साथ काफी लगाव है। ताहिर ने कहा, उभरते स्पिन गेंदबाजों के साथ काम करने और उन्हें विकसित होने और फलने-फूलने में मदद करने का यह एक रोमांचक अवसर है ताकि उन्हें इस देश के महान स्पिनरों की तरह बनने का मौका मिले। मैं पूरी तरह से पाकिस्तान जूनियर लीग के समर्थन में हूं क्योंकि यह उच्च खिलाड.ियों के लिए एक कठिन और चुनौतीपूर्ण वातावरण बनाता है। केवल वे ही खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे, जो इस पैमाने को पार करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की बढ़ती संख्या के साथ यह पाकिस्तान को अपने खिलाडियों के पूल को बढ़ाने में मदद करेगा, जो देश के लिए खेल पाएंगे।

न्यूजीलैंड के चैपमैन दो देशों के लिए शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड सात विकेट से हार न्यूजीलैंड में एकमात्र वनडे मैच में स्कॉटलैंड को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में मार्क चैपमैन ने शतकीय पारी खेली। इस शतक के साथ ही उन्होंने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड और स्कॉटलैंड के बीच एकमात्र वनडे मैच कीवी टीम ने सात विकेट से जीत लिया। कारनामा केपलर वेसेल्स ने किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार और दक्षिण अफ्रीका के लिए दो शतक लगाए थे। स्कॉटलैंड के दौरे पर कीवी टीम को कुल तीन मैच खेलने थे और न्यूजीलैंड ने सभी मैच जीतकर यह दौरा पूरा किया है। टी20 सीरीज के दोनों मैच कीवी टीम ने 68 और 102 रन से जीते थे। इसेक बाद एकमात्र वनडे भी

स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 306 रन बनाए थे। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने तीन विकेट खोकर 45.5 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर लिया और मैच सात विकेट से अपने नाम किया। इस मैच में न्यूजीलैंड के लिए मार्क चैपमैन ने 101 रन की नाबाद पारी खेली। इस शतक के साथ ही चैपमैन दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने दो देशों के लिए शतक लगाया है। उनसे पहले यह सात विकेट से जीत लिया। अब न्यूजीलैंड की टीम नीदरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। स्कॉटलैंड का अच्छा स्कोर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम ने 306 रन का अच्छा स्कोर बनाया। 107 के स्कोर पर पांच विकेट गंवाने के बाद विकेटकीपर मैथ्यू क्रास के 53, मिशेल लीस्क के 85 और मार्क वॉट 31 रन की पारी के चलते स्कॉटलैंड का स्कोर 300 के पार पहुंचा। न्यूजीलैंड के लिए जैकॉब डफी और मिशेल ब्रैसवेल ने तीन-तीन विकेट लिए।

वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर ने 31 साल की उम्र में लिया संन्यास, कहा- टीम का माहौल खराब

नई दिल्ली।डिएंड्रा डॉटिन ने कहा है कि उनके संन्यास की वजह टीम का माहौल है। डॉटिन ने कहा है कि वो अब टी20 लीग खेलेंगी। उन्होंने सिर्फ 31 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। वेस्टइंडीज महिला टीम की पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने 31 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ दिया है। इसके पीछे डॉटिन ने टीम के खराब माहौल को जिम्मेदार ठहराया है। अब वो अलग-अलग टी20 लीग में खेलती नजर आएंगी। डॉटिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए संन्यास का एलान किया है और अपना दर्द भी बयां किया है। उनके इस फैसले के बाद क्रिकेट जगत में काफी हलचल बनी हुई है। महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली डॉटिन ने यह तय नहीं किया है कि वो वेस्टइंडीज के अलावा किसी और टीम से रिटायर हो रही हैं या नहीं। वो फिलहाल बरबाजोड के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भाग ले रही हैं। डॉटिन महिला सीपीएल के पहले सीजन में भी शामिल होंगी, जो 30 अगस्त से शुरू हो रही है। डॉटिन को इस लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स टीम की कप्तानी करनी है। वहीं, द हंड्रेड में उन्हें

मैनचेस्टर ओरिजनल्स के लिए खेलना है। डॉटिन ने सोशल मीडिया पर अपने रिटायरमेंट का एलान करते हुए लिखा ठमेरे क्रिकेट करियर में कई मुश्किलें आईं, जिनका सामना मैंने किया और उनसे पाया पाया। हालांकि, टीम का मौजूदा माहौल मेरी क्षमता को आगे ले जाने वाला और मेरे जुनून के अनुकूल नहीं है। मुझे जो भी मौके मिले, मैं उनके लिए शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। वेस्टइंडीज के लिए खेलना और अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का विषय रहा है।

तीन खिलाडियों ने पहनी अर्शदीप की जर्सी, कप्तान रोहित हुए नाराज, आवेश की नो बॉल ने हराया मैच

नई दिल्ली।वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 138 रन बनाए थे और वेस्टइंडीज ने पांच विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया। इस मैच में भारत के तीन खिलाड़ी अर्शदीप सिंह के नाम की जर्सी पहनकर खेलने उतरे थे। पहले सूर्यकुमार यादव ने अर्शदीप की जर्सी पहनकर भारत के लिए पारी की शुरुआत की। इसके बाद आवेश खान भी अर्शदीप की जर्सी में ही नजर आए। इस मैच में छोटा स्कोर बनाने के बावजूद भारतीय टीम अंत तक लड़ी, लेकिन आखिरी ओवर में आवेश खान की नो गेंद ने भारत को मैच हरा दिया। वहीं, कप्तान रोहित मैनेजमेंट से काफी नाराज दिखे और अर्शदीप ने एक बार फिर अपनी यॉर्कर से सभी का दिल जीत लिया। यहां हम इस मैच के खास पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। इस मैच में भारत के तीन खिलाड़ी अर्शदीप सिंह की जर्सी पहनकर मैदान में उतरे। मैनेजमेंट में कमियों के चलते सभी खिलाड.ियों का सामान देरी से पहुंचा था। इसी वजह से यह मैच आठ की बजाय रात 11 बजे शुरू हुआ। इस समय तक भी सभी खिलाड.ियों का सामान नहीं पहुंचा था। ऐसे में खिलाड.ियों को एक दूसरे की जर्सी पहननी पड़ी। इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम को जीत के लिए आखिरी

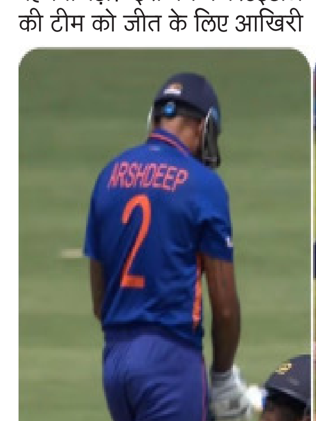

ओवर में 10 रन की जरूरत थी। ऐसे में कप्तान रोहित ने भुवनेश्वर कुमार की जगह आवेश खान पर भरोसा जताया और आवेश ने पहली ही गेंद नो बॉल कर दी। इसके बाद अगली गेंद में फ्री हिट पर छक्का लगा और ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर वेस्टइंडीज ने मैच जीत लिया। इस मैच के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के मैनेजमेंट से बेहद नाराज नजर आए। रोहित का गुस्सा मैच के दौरान भी दिख रहा था। वो इस मैच में बल्ले के साथ भी फ्लॉप रहे। ऐसे में उनका गुस्सा और ज्यादा हो गया। अर्शदीप सिंह ने इस मैच में भी कमाल की गेंदबाजी की। खासकर 19वें ओवर में उनकी शानदार यॉर्कर ने रोवमन पॉवेल को क्लीन बोल्ड कर दिया। अर्शदीप ने अपने प्रदर्शन से सभी को खासा प्रभावित किया है और वो टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में भी जगह बना सकते हैं। श्रेयस अय्यर लगातार दूसरे मैच में फेल रहे। पहले मैच में शून्य के स्कोर पर आउट होने वाले श्रेयस ने इस मैच में सिर्फ 10 रन बनाए और अब उन्हें टीम से बाहर करने की मांग हो रही है। खासकर संजू सैमसन के फैंस उनकी जगह सैमसन को मौका देने की मांग कर रहे हैं। दूसरा टी20 मैच जीतने के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। अब तीसरा मैच जीतने वाली टीम बढ़त बनाएगी। वेस्टइंडीज ने लंबे समय बाद जीत का स्वाद चखा है। कप्तान पूरन को उम्मीद होगी कि इस मैच के बाद उनकी टीम जीत की पटरी पर लौटेगी।वेस्टइंडीज के लिए ओबेड मैकॉय ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने एक मेडन ओवर भी किया। मैकॉय ने अकेले ही भारतीय बल्लेबाजी को धराशायी कर दिया और कई रिकॉर्ड बनाए। दूसरे टी20 मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने पिच का मुआयना किया। हालांकि, ये दोनों सही तरीके से पिच को पढ़कर रणनीति नहीं बना पाए। इसी वजह से तेज गेंदबाजों को पूरे ओवर कराने की बजाय अश्विन और जडेजा से सात ओवर की गेंदबाजी कराई और भारत यह मैच हार गया।

सम्पादकीय

मानसून का देश में आना उत्तराखंड के पहाड़ों में कठिनाइयों से सामना

मानसून का आना देश में सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन अति वर्षा से कई इलाकों में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण स्थानीय नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए आर्थिक रूप से मानसून अहम तो है, लेकिन इससे उनकी दैनिक दिनचर्या सबसे अधिक प्रभावित होती है। अत्यधिक वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र अन्य इलाकों से कट कर रह जाते हैं। इसकी मुख्य वजह सड़क का नहीं होना है। कच्चे और फिसलन भरे रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। वैसे तो पहाड़ी क्षेत्र का नाम सुनते ही न जाने कितनी कल्पनाएं हमारे दिमाग में बन जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्र है, तो ठंडी हवाएं चलती होंगी, शुद्ध वातावरण होगा, गर्मी का नामों-निशान नहीं होगा, प्रतिदिन बारिश से मौसम सुहावना रहता होगा इत्यादि। परंतु कल्पनाओं से हकीकत बिल्कुल विपरीत है। जब यहां लगातार बारिश होती है, तो लोगों की जान मुसीबत में आ जाती है। कई बार बादल फटने अथवा जमीन धंसने की घटनाओं से जान-माल का काफी नुकसान होता है। इस समय भी पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में अत्यधिक बारिश तबाही मचा रही है। दूर-दराज के कई गांव ऐसे हैं, जो अन्य इलाकों से कट गए हैं, क्योंकि पक्की सड़क नहीं होने के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। बिजली और संचार की व्यवस्था भी लगभग ठप हो गई है। ऐसे में कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहां का सामाजिक जीवन किस प्रकार कष्टकर होता होगा बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित होती होगी? उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक का बघर गांव, जो पहाड़ की चोटी पर बसा है। यह पहाड़ पर बसा आखिरी इंसानी गांव है। यहां पर आकर सीमा समाप्त हो जाती है। इसके आगे कोई गांव नहीं है और यहां तक सड़क की कोई सुविधा नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गांव की किशोरियां-नेहा और बबली कहती हैं, हमारा स्कूल गांव से चार किलोमीटर दूर है, जहां सड़क की सुविधा भी नहीं है, जिस कारण हमें जंगल के रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। इन्हीं परेशानियों के कारण न तो हम समय से स्कूल पहुंच पाते हैं और न ही घर, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। स्कूल जाते समय जब हमें जंगलों से गुजरना पड़ता है, तो जानवरों का भी भय बना रहता है। अगर ऐसे में कोई जंगली जानवर आ जाए, तो हम कहीं भाग भी नहीं सकते हैं। वह बताती हैं कि जब बारिश होती है, तो जंगल के कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, ऐसे में हमें डर भी लगता है कि कहीं हम फिसल कर खाई में गिर न जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क मिल जाए, तो हमें एक सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा, जिससे हम स्कूल और घर समय पर पहुंच सकते हैं। सड़क न होने से परेशान गांव वासी लाल सिंह और पवन सिंह का कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग हैं, हमें रोज काम करने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है। गांव में, जहां थोड़ी-बहुत सड़क ठीक है, वह भी बारिश के दिनों में खराब हो जाती है। रास्ता सही न होने के कारण हमें राशन और खाने-पीने की सामग्री आदि लाने में भी मुश्किल आती है। वहीं बुजुर्ग महिला जसुली देवी का कहना है कि हम भी अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, लेकिन गांव में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। टूटी-फूटी सड़कों के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों और गांव के बुजुर्गों को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क न होने के कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है, जिससे मरीजों को चारपाई पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है, जो वर्षा के दिनों में सबसे खतरनाक परिस्थिति होती है। राजकीय इंटर कॉलेज, बघर के शिक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि यह कॉलेज गांव से चार किलोमीटर दूर है। यहां बहुत दूर-दूर से बच्चे आते हैं। बरसात में अधिक बारिश होती है, तो बच्चे आना बंद कर देते हैं। यह वह गांव है, जहां लोग सड़कों पर चलने के लिए सड़क ढूंढते हैं। हालांकि गांव वालों का विश्वास है कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाने वाली सरकार एक दिन उनके गांव तक भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा जरूर पहुंचाएगी।

मानव स्वास्थ्य के लिए नई तकनीकों से चिकित्सा में क्रांति से जटिल रोगों के उपचार की उम्मीद

रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान) में आधुनिक तकनीकों का काफी ज्यादा प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म की मदद से असामान्य तस्वीरों के बारे में सूचना हासिल की जा सकती है। नई तकनीकों के आविष्कार से चिकित्सा जगत में ऐसी क्रांति हुई है, जिसने जटिल रोगों के उपचार और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के नए द्वार खोल दिए हैं। इससे आधुनिक चिकित्सा पद्धति (स्दीह सम्म्हा) को बहुत मदद मिली है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल ऑपरेशन थियेटरों में होता है और इससे सर्जरी करने वाले डॉक्टरों को बेहतर अनुमान हासिल करने में मदद मिलती है। आभासी तकनीक का इस्तेमाल मानसिक रोगों के इलाज के लिए कृत्रिम माहौल बनाने में किया जा सकता है। एआई का दायरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह कम समय और कम लागत में वह काम कुशलतापूर्वक करता है, जो मनुष्य कर सकता है। एआई विभिनन्‍ लक्षणों की निगरानी, आपातकालीन देखभाल में सहायता के माध्यम से बीमारियों का पता शुरुआती चरणों में ही लगाने में मदद करता है। रोबोट कठिन और आवश्यक सर्जरी में

डॉक्टरों की मदद कर रहे हैं। रोबोटिक्स पुनर्वास केंद्रों में भी व्यायाम और उपचार के साथ व्यक्तियों की सहायता करते हैं। ट्रामा, ट्यूमर और संक्रमण की वजह से होने वाली हड्डी संबंधी बीमारी के इलाज में 3-डी प्रिटिंग की वजह से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। दरअसल, 3-डी प्रिटिंग के जरिये छिद्रयुक्त कस्टमाइज प्रत्यारोपण संभव होता है और इससे अंगों की सुरक्षा में मदद मिलती है। कई मामलों में अंग-विच्छेदन को रोका जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण तकनीक की मदद से शुरुआती चरण में ट्यूमर का पता लगाया जा सकता है। गणितीय मॉडल के आधार पर सफलता/जटिलताओं आदि के बारे में भविष्यवाणी करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग का अहम योगदान रहा है।

नाग पंचमी क्यों मनाई जाती है

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। की कलम से हर साल सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी बड़े धूम धाम से मनाई जाती है। नाग पंचमी इस वर्ष 2022 में यह 2 अगस्त के दिन है नाग पंचमी क्यों मनाई जाती है सावन का महीना शिव का प्रिय महीना होता है जो 14 जुलाई 2022 से शुरू हो गया है। नाग देवता भगवान शिव के गले में आभूषण की तरह हमेशा ही विराजमान रहते हैं, क्योंकि नाग देवता का संबंध शिवजी से है इसलिए सावन मे नाग पंचमी मनाई जाती है। श्रावण की पंचमी के दिन नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है दरहसल पंचमी तिथी का स्वामी नाग देवता को कहा गया है। धाार्मिक मान्यता है नाग पंचमी के दिन सर्प पूजन कराने से कुण्डली में व्यात कालसर्प योग से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन सर्प पूजन करने से शिव भगवान एवं नाग देवता प्रसन्न हो जाते हैं घर में सुख समृद्धि का वास होता है नाग पंचमी का महत्व एवं पौराणिक कथाए ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की विधि विधान व श्रद्धा भाव से पूजा करने से मनवांछित फल मिलते हैं और यदि इस दिन किसी को नागों के दर्शन हो जाते हैं तो यह बहुत शुभकारी माना जाता है। नाग पंचमी पर सांप को दूध पिलाने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। पौराणिक ग्रंथो एवं वेदों (चरक संहिता, गरुण पुराण, शिव पुराण) में नाग पंचमी के महत्व का विस्तार से बताया है। नाग पंचमी मनाने का पौराणिक महत्व कुछ इस प्रकार से है 1. समुद्र मंथन में वासुकी नाग देवता का योगदान नाग देवता का आभार प्रकट करने के लिए भी नाग पंचमी मनाई जाती है, क्योंकि समुद्र मंथन के वक्त वासुकी नाग ने ही देवताओं की मदद की थी। 2. शेषनाग है विष्णु भगवान की शैया पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु अपनी शेषनाग की शैया पर पंचमी के दिन ही विराजित हुये थे। इसी दिन शेषनाग की शैया

विष्णु जी ने विश्राम किया था। 3. वासुदेव और शेषनाग का संबंध भगवान श्री कृष्ण के जन्म पर, तेज़ आंधी तूफान के मौसम में, उफनती नदी को पार करवाने के लिए शेषनाग ने ही वासुदेव जी की मदद की थी। 4. शेषनाग के फन पर टिकी है धरती ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी शेषनाग के फन पर टिकी हुई है और उस शेषनाग के शैया पर भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। 5. जन्मजेय का नाग से बदला जन्मजेय के पिता को तक्षक सांप ने मार डाला था इसीलिए अर्जुन के पोते जन्मजेय ने नागो से बदला लेने की ठानी और नाग के कुल को समाप्त करने के लिए नाग यज्ञ की व्यवस्था की। तब आस्तिक मुनि ने यज्ञ को रोककर नागो की रक्षा का आग्रह किया और तक्षक नाग ने भी जन्मजेय से माफी मांगी। इससे जन्मजेय का क्रोध शांत हुआ। यह सब घटना सावन महीने के शुक्ल पंचमी के दिन में घटित हुई। इसीलिए सांप के बचाव में इस दिन को नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। नाग पंचमी क्यों मनाई जाती है महत्व एवं कारण नाग पंचमी बनाने के अन्य निम्न कारण है कालसर्प दोष से मुक्ति ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी पर की जाने वाली पूजा से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि भोलेनाथ सदैव अपने गले में वासुकी नाग को धारण किए हुए रहते हैं इसीलिए नाग पूजा करने से शिव भगवान को प्रसनन्‍ किया जाता है। सर्पदंश से भय की मुक्ति बरसात के मौसम में सांप के बिलों में पानी भर जाता है जिसकी वजह से वह अपने स्थान को छोड़कर सुरक्षित स्थान खोजते हैं। इसीलिए भारतीय संस्कृति में सर्पदंश के भय से मुक्ति के लिए भी नाग पंचमी के दिन नाग की पूजा करने की परंपरा शुरू हुई है। **देश के प्रमुख नाग मंदिर** आइए, देश के कुछ प्रमुख नाग मंदिरो और उनके महत्व के बारे में जानते है **स्नेक टेंपल** सन्‍क टेंपल केरल के अलप्पी जिले से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। इस मंदिर में सांपों की हजारों प्रतिमाएं मौजूद है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां पर पूजा करने से निसंतान को संतान प्राप्ति होती है। यहां पर पूजा करने से उनकी मनोकामना शीघ्र ही पूर्ण हो जाती है।**नागचंद्रेश्वर मंदिर** यह मंदिर उज्जैन में महाकाल मंदिर के परिसर में स्थित है। यह मंदिर साल में केवल नाग पंचमी वाले दिन ही खुलता है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां पर नाग देवता के दर्शन करने से व्यक्ति के सभी प्रकार के सर्प दोष दूर हो जाते हैं। प्रयागराज मे नाग पंचमी के दिन भक्तों की बहुत भीड़ लगती है। यहां पर लोग विशेष रूप से कालसर्प दोष की पूजा करवाने के लिए दूर-दूर से आते हैं। **नाग पंचमी पूजा विधि** आइए नाग पंचमी की पूजा की पूरी विधि आपको बताते हैं - सुबह जल्दी उठकर सनन करें घर के मुख्य दरवाजे पर सांप के 8 आकृतियां बनाएं। चावल, फूल, रोली, हल्दी आदि चढ़ाकर नाग देवता की पूजा करें। नाग देवता को भोग लगा कर कथा अवश्य पढ़ें। पूजा के बाद नाग देवता को कच्चे दूध में घी और चीनी मिलाकर जरूर अर्पित करें। नाग पंचमी 2022 कब है सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 2 अगस्त को पड़ रही है। अतः इस वर्ष यानी साल 2022 में नाग पंचमी 2 अगस्त, मंगलवार को है। **नाग पंचमी का शुभ मुहूर्त** नाग पंचमी तिथि मंगलवार, 2 अगस्त को सुबह 5:13 से शुरू होकर अगले दिन यानी बुधवार, 3 अगस्त को सुबह 5:41 तक रहेगी और नाग पंचमी का शुभ मुहूर्त 2 अगस्त से सुबह 5:45 से आरंभ होकर 8:25 तक रहेगा। नाग पंचमी के दिन जरूर करें यह कार्य नाग पंचमी में पूजा करते समय मिठाई, दूध और फूल जरूर चढ़ाएं। जिन लोगों के राहु और केतु ग्रह भारी है उन्हें नाग पंचमी के दिन पूजा अवश्य करनी चाहिए। नाग देवता को केवल तांबे के लोटे से दूध चढ़ाएं। पीतल के लोटे से नाग देवता को दूध बिल्कुल भी नहीं चढ़ाना चाहिए। सर्पदंश से बचने के लिए नाग पंचमी के दिन उपवास जरूर करना चाहिए। ऐसे कार्य जो नाग पंचमी के दिन नहीं करने चाहिए। किसानों को नाग पंचमी के दिन खेती नहीं करनी चाहिए। पेड़ों को नहीं काटना चाहिए। इस दिन सुई धागे का प्रयोग करना वर्जित होता है।

नाग देव की पूजा अर्चना से धन यश कीर्ति प्रदान होती है

पंडित सुधाशु तिवारी
(आधात्मिक धर्म गुरू)

अयोध्या.सावन मास की शुक्ल पंचमी तिथि को नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. हिंदू धर्म में नागों की पूजा के इस पावन पर्व का बहुत महत्व है. इस दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देव की पूजा की जाती है. धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, नागों की पूजा करने से आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति हो सकती है. आज मनाया जाएगा नाग पंचमी का त्योहारइस दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देव की पूजा की जाती है सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. आमतौर पर हरियाली तीज के दो दिन बाद नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. नाग पंचमी के दिन स्त्रियां नाग देवता की पूजा करती हैं और सांपों को दूध पिलाया जाता है. इस साल नाग पंचमी का त्योहार 2 अगस्त 2022 को यानि आज मनाया जाएगा. नाग देवताओं की पूजा के लिए श्रावण मास की पंचमी तिथि काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है. तो आइए जानते हैं नाग पंचमी का शुभ मुहूर्त, महत्व और पूजन विधि. **नाग पंचमी शुभ मुहूर्त** नाग पञ्चमी मंगलवार, अगस्त 2, 2022 को पञ्चमी तिथि प्रारम्भ - अगस्त 02, 2022 को सुबह 05 बजकर 13 मिनट से शुरू पञ्चमी तिथि समाप्त - अगस्त 03, 2022 को सुबह 05 बजकर 41 मिनट पर खत्म नाग पञ्चमी पूजा मूहूर्त - सुबह 06 बजकर 05 मिनट से 08 बजकर 41 मिनट तक अवधि- 02 घण्टे 36 मिनट्स **नाग पंचमी का महत्व** सनातन धर्म में सर्प को पूजनीय माना गया है. नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा की जाती है और उन्हें गाय के दूध से सनन कराया जाता है. माना जाता है कि जो लोग नाग पंचमी के दिन नाग देवता के साथ ही भगवान शिव की पूजा और रुद्राभिषेक करते है, उनके जीवन से कालसर्प दोष खत्म हो जाता है. साथ ही राहु और केतु की अशुभता भी दूर होती है. माना जाता है कि इस दिन घर के मुख्य द्वार पर अगर सर्प का चित्र बनाया जाए तो उस घर में नाग देवता की खास कृपा होती है और घर से लोगों के सभी दुख दूर हो जाते हैं. **नाग पंचमी की पूजा-विधि** नाग पंचमी के दिन अनन्त, वासुकि, पद्म, महापद्म, तक्षक, कुलीर, कर्कट, शंख, कालिया और पिंगल नामक देव नागों की पूजा की जाती है. पूजा में हल्दी, रोली, चावल और फूल चढ़ाकर नागदेवता की पूजा करें. कच्चे दूध में घी और चीनी मिलाकर नाग देवता को अर्पित करें. इसके बाद नाग देवता की आरती उतारें और मन में नाग देवता का ध्यान करें. अंत में नाग पंचमी की कथा अवश्य सुनें. 2 अगस्त को नागपंचमी पर गलती से भी न करें ये 4 काम, इन्हें माना जाता है अपशकुन सांप हमारे पारिस्थितिक तंत्र का एक महत्वपूर्ण अंग है। सांप अगर न हो तो पारिस्थितिक तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है, जिसका नुकसान मनुष्यों को हो सकता है। ये पर्व मुख्य रूप से नागों को इसी बात का धन्यवाद देने के लिए मनाया जाता है। नागपंचमी से जुड़ी कई मान्यताएं और परंपराएं भी हैं। उसी के अनुसार, नागपंचमी पर कुछ खास काम करने से बचना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। आगे जानिए नागपंचमी पर कौन से काम करने से बचना चाहिएष्ठ **जीवित सांप की पूजा न करें** नागपंचमी का पर्व नागदेवता की पूजा करने का है, लेकिन भूलकर भी जीवित सांप की पूजा न करें। पूजा के दौरान जो सामग्री उन पर चढ़ाई जाती है, उससे नागों के स्वास्थ्य पर बुरा असर हो सकता है। जीवित नाग को दूध भूलकर भी न पिलाएं क्योंकि ये एक मांसाहारी जीव है। जबरन दूध पिलाने से इनकी जान भी जा सकती है। **धारदार चीजों का उपयोग न करें** मान्यताओं के अनुसार, नागपंचमी पर धारदार चीजें जैसे- चाकू, कैंची आदि का उपयोग करने से बचना चाहिए। ये परंपरा किसने और क्यों बनाई, इसकी जानकारी तो नहीं है। लेकिन ऐसा कहा जाता है कि नागपंचमी पर धारदार चीजों का उपयोग करने से अशुभ परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। **इस दिन जमीन न खोदें** नागपंचमी पर जमीन खोदने यहां तक कि हल चलाने की भी मनाही है। मान्यता है कि नाग जमीन के अंदर निवास करते है। जमीन खोदने से उनके निवास को नुकसान होने के खतरा बना रहता है। नागपंचमी की कथा के अनुसार, किसान द्वारा हल चलाने से नागिन के बच्चों को मौत हो गई थी, जिसका बदला लेने के लिए नागिन ने किसान के पूरे परिवार को डंस लिया था। इसलिए नागपंचमी पर जमीन खोदने की मनाही है। **लोहे के बर्तन में खाना न पकाएं** प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, नागपंचमी पर लोहे के बर्तन जैसे तवा या कहाड़ी का उपयोग नहीं करना चाहिए। बिना इनके इस्तेमाल के भोजन पकाना चाहिए। साथ ही इस दिन सुई धागे के उपयोग से भी बचना चाहिए। इन मान्यताओं के पीछे कोई धार्मिक कारण तो नहीं है, लेकिन मनोवैज्ञानिक पक्ष जरूर हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंकीपॉक्स का दिल्ली में तीसरा मामला, एक और नाइजीरियाई व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि

नई दिल्ली। दिल्ली में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया है। राहत की बात ये है कि पहले संक्रमित को अस्तपाल से छुट्टी मिल गई है। पहला संक्रमित 25

दिनों में ठीक हुआ है। वह स्वस्थ होकर अपने घर गया है। राजधानी में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया है। एक और नाइजीरियाई व्यक्ति संक्रमित पाया गया है। इससे पहले सोमवार को दिल्ली में 35 वर्षीय एक नाइजीरियाई व्यक्ति में मंकीपॉक्स का संक्रमण मिला था। उसने हाल में कोई विदेश यात्रा नहीं की है। आज(मंगलवार) मिले संक्रमित के साथ ही दिल्ली में मंकीपॉक्स का यह तीसरा मामला है। संक्रमित व्यक्ति को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलएनजेपी अस्पताल मंकीपॉक्स के इलाज के लिए नोडल अस्पताल है। सूत्रों के अनुसार उसे पिछले पांच दिनों से बुखार था और शरीर पर फफोले पड़ गए थे। उसके सैंपल को जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेजा गया था। रिपोर्ट सोमवार शाम को आई जिसमें वह संक्रमित पाया गया है। 25 दिनों में ठीक हो गया दिल्ली में मंकीपॉक्स का पहला मरीजराजधानी दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में भर्ती पहले मंकीपॉक्स संक्रमित मरीज को आज छुट्टी मिल गई है। अस्पताल के एमडी डॉ. सुरेश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरीज पूरी तरह से ठीक है।

जबलपुर अग्निकांड में मृतकों के नाम एवं संख्या विस्तार से

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मृतक महिमा जाटव उम्र 23 साल निवासी नरसिंहपुर मृतक वीर सिंह पिता राजु ठाकुर उम्र 30 वर्ष न्यु कंचनपुर थाना आधरताल मृतक स्वाति वर्मा उम्र 24 साल ग्राम नारायण पुर मझगवां जिला सतना मृतक तनमय विश्वकर्मा पिता अमन उम्र 19 वर्ष नि. खटीक मोहल्ला थाना घमापुर मृतक दुर्गेश सिंह पिता गुलाब सिंह उम्र 42 वर्ष नि. ग्राम आगा सौद पाटन रोड थाना मढौताल मृतक सोनू यादव उर्फ अमर पिता श्री पाल उम्र 26 वर्ष नि. चित्रकूट मानिकपुर उ. प्र मृतक अनुसूइया यादव पति धर्मपाल उम्र 55 साल नि. चित्रकूट मानिक पुर उ.प्र. घायल - अमित शर्मा पिता एलबी शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बिलौजी थाना बैढन सिंगरौली. घायल - 40 वर्षीय दीपा यादव पति जियालाल यादव निवासी मानिकपुर बाँदा नोट - आठवें मृतक जो महिला है की पहचान अभी नही हो सकी है इस घटना की संघन जांच होना चाहिए क्योंकि इस घटना में साफ-साफ नजर आ रहा है की यह रची गई साजिश है क्योंकि इसमें ज्यादातर मरने वाले यादव परिवार के हैं यह कोई शार्ट सर्किट से कांड नहीं हुआ यह साजिश है जिसकी जांच हर हाल में होना चाहिए।

प्रगति रथ संस्था के प्रेरणा स्त्रोत स्व0 ठाकुर शिव शंकर सिंह चौहान की जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। प्रगति रथ समाजसेवी संस्था के प्रेरणा स्रोत कीर्तिशेष स्व. ठाकुर शिव शंकर सिंह चौहान की जयंती

के अवसर पर उनके समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद किया गया कि किस प्रकार उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन लोगों की भलाई एवं सहायता करने में व्यतीत किया। उन्हीं के बताए मार्गदर्शन पर चलते हुए उनके पुत्र विजय सिंह चौहान एवं पुत्रवधु डॉ. संध्या चौहान ने उनके अधूरे स्वपन को पूरा करने का प्रयास करने हेतु प्रगति रथ समाजसेवी संस्था का शुभारंभ किया और उनके बताए हुए मार्गों पर चलते हुए ही पिछले 10 वर्षों से संस्था जिस प्रकार हो सके लोगों की सहायता के लिए समय-समय पर तत्पर रहती है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए आज उनके जन्म दिवस के अवसर पर शिव शंकर नगर कॉलोनी में वृक्षारोपण किया गया एवं रावतन के मौजा व कलरया पर विजय सिंह चौहान द्वारा जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया गया। साथ ही कलरया गांव में वस्त्र एवं जूते चप्पल वितरण किया गया। साथ ही लोगों की परेशानियों को सुनते हुए आगे भी उनकी सहायता करने का संकल्प लिया गया। शिक्षा के संकल्प को पूरा करते हुए विल्सन मर्फी एवं शीबा मर्फी की पुत्री कुमारी एलीना मर्फी का सेंट जॉन स्कूल में क्लास नर्सरी में एवं सईद अहमद एवं सबीना बानो की पुत्री कुमारी रहनुमा एवम पुत्र आकिब अली का सेंट उमर इंटर कॉलेज की कक्षा सात एवम पहली कक्षा में एडमिशन करवा कर उसकी साल भर की स्कूल की फीस के लिए राशि, पुस्तकें, स्कूल ड्रेस, बैग आदि जरूरत का सामान उनको दिया गया। प्रगति रथ कार्यालय में संस्था के प्रेरणा स्रोत स्व0 ठाकुर शिव शंकर सिंह चौहान की छाया प्रति पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण करके उनको श्रद्धांजलि दी गई। सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में संस्था से संध्या शिव शंकर सिंह चौहान, विजय सिंह चौहान, डॉ. संध्या चौहान, तेजेंद्र सिंह चौहान, वीना नारोलिया, सना, जरीना खातून, सत्य सिंह, अशोक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शासन द्वारा खुले तेल की बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित बिक्री होती पाए जाने पर होगी सख्त कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। शासन द्वारा खुले तेल की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। जिस हेतु आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देश एवं जिलाधिकारी झाँसी के आदेशानुसार सुभाष गंज स्थित प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही करते हुये 03 खाद्य तेलो (02 सरसों के तेल एवं 01 सोयाबीन रिफाइण्ड ऑयल) के नमूने संग्रहीत किये गये तथा प्रयोगशाला में जॉच हेतु भेजे गये। रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त विधिक कार्यवाही की जायेगी तथा ड्रम में रखे हुये लगभग 700 किग्रा खुला खाद्य तेल को जब्त किया गया तथा विक्रेताओं को नोटिस जारी किया गया। अभियान दिनांक 01/08/202 से दिनांक-14 / 08 / 2022 तक जारी रहेगा। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में खाद्य तेल में मिलावट की सख्ती से रोकथाम की जाए, ट्रांस फैटी एसिड की मात्रा का पता लगाने, लेबलिंग प्रावधान और मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल व वेजीटेबल आयल में समस्त मानकों पर ट्रांस फेटी एसिड की मात्रा की जांच किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खुले तेलों की बिक्री को प्रत्येक दशा में जनपद में रोका जाना सुनिश्चित

किया जाए। सहायक आयुक्त खाद्य/ अभिहित अधिकारी श्री चितरंजन कुमार ने बताया कि माह जुलाई 2022 में न्यायालय द्वारा कुल 23 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें विभिनन्व्यापारियों / खाद्य विक्रेताओं पर कुल 5,98,000/- रू0 का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। जिसमें बेकरी उत्पाद के 02 वादों में कुल 60000/-रू0 का अर्थदण्ड दूध एवं दुग्ध पदार्थों (मिठाई, खोया) के कुल 11 वादो में कुल 1,70,000/-रू0 का अर्थदण्ड, मसाले के एक वाद में कुल 1,50,000/- रू0 तथा अन्य खाद्य पदार्थों के 9 वादों में कुल 1.38.000/-रू0 का अर्थदण्ड एवं 01 बिना पंजीकरण / लाइसेंस पाये जाने पर कुल 25,000/ का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य पदार्थ बेचने वालों के लिये खाद्य लाइसेंस / पंजीकरण से आच्छादित करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है जिसमे वों ग् के ऑनलाइन पोर्टल पूेः//दिम्र्दे.ेग् ुदन.ग्ह पर स्वयं आवेदन कर सकते हैं। ऐसे व्यापारी जिनका खाद्य व्यवसाय का टर्नओवर 12 लाख रू0 प्रति वर्ष से कम होने पर पंजीकरण के लिए निर्धारित शुल्क रू0 100 प्रति वर्ष तथा खाद्य व्यवसाय का टर्नओवर 12 लाख रू0 प्रति वर्ष से अधिक होने पर लाइसेंस हेतु निर्धारित शुल्क रू0 2000 प्रति वर्ष है। सभी खाद्य व्यवसायी द्वारा खाद्य लाइसेंस / पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य है। खाद्य लाइसेंस / पंजीकरण के बिना व्यवसाय किए जाने पर इएएँ ण्ऊ 2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी जिसमें 06 माह तक कारावास तथा रू0 5 लाख तक जुर्माने का प्राविधान है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की छापामार कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री विनोद कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री विजय बहादुर पटेल सहित अन्य कर्मचारी व व्यापारी उपस्थित रहे।

मैहर की जनता ने 24 वार्डों में पार्षद तो चुन लिया लेकिन अध्यक्ष पद को लेकर अब रण छिड़ रहा है

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। क्या जब पार्षद बिक कर अध्यक्ष लाएंगे तो कैसे होगा वार्ड का विकास, फिर जनता और पार्षद में अंतर क्या, 5 सालों तक जनता चुनाव के बाद विकास के लिए चिल्लाते है क्योंकि की हजारों रुपयों और दारू व मुर्गा में बिक जाते, अब पार्षद लाखो में बिकेंगे तो ये भी अपने वार्ड के विकास लिए चिल्लायेंगे क्योकि होगा कुछ नही क्योकि की लाखों की मिठाई का पैकेट तो खाकर पानी पीयेगे। मजेदार बात की ये राजनीति व चुनाव भी बड़ी अजीब चीज है,,, मथुरा का पेड़ा जैसा है जो खाये वो भी पछताए जो ना खाएं वो भी पछताए,, कुछ लोग दूसरों का देख कर पछताने में मजा लेते है कुछ खेल को खेल कर क्षेत्र में और जो एक बार किसी में बैठ जाते है दुबारा बैठने की ललक लिए हुए फिर चुनावी मैदान होते है जितने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते है रिश्ते नाते तक दाव पर लगा दिए जाते है। जब से नगरीय चुनाव हुए और पार्षद जीत कर आये उसके बाद अध्यक्ष को लेकर मोबाइलों में रण क्षीण गया है पार्षदों को पटाने जितना अपने सामने बैठके नही होती उससे ज्यादा तो मोबाइलों में महाकुंभ चल रहा है क्षेत्र में इन दिनों इस बात की चर्चा जोरों पर

है कि जनता ने तो पार्षद चुनने में रुपया दारू मुर्गा खाया यही नही चुनावी रण में हर वार्ड में हर प्रत्यशियों से सब ने जिसको जो मिला खाया और जिताया किसी एक को लेकिन अब जितने के बाद अब पार्षदो को सरकार के नए नियमावली के अनुसार अध्यक्ष चुनने की जिम्मेदारी पार्षदों को मिल गई जो जीते हुए प्रत्यशियों को चुनाव में किये गए खर्चे तो चार से छह गुना वशूलने का रामबाण हथियार मिल गया अब पार्षद भी जनता की तरह भरपूर वशूली के मूड में है ऐसी चर्चा जोरों पर चल रही है, वही अध्यक्षी को लेकर तीन लोगों में चर्चा जोर पकड़े हुए है जिसमे भाजपा से एक श्रीमती गीता संतोष सोनी, कांग्रेस से श्रीमती संतोष चौरसिया, निर्दलीय में ललिता सूर्यप्रकाश चौरसिया अध्यक्ष के मैदान में है, वही दूसरी तरफ भाजपा में भी गुटबाजी के माहौल जैसे लोगो को समझ मे आ रहा जिससे भाजपा में दूसरा नाम गुपचुप तरीके से नितिन ताम्रकार की भी चल रही है जिस पर लोगो का मानना है सतना जिला में नव निर्वाचित महापौर योगेश ताम्रकार के नितिन ताम्रकार बड़े ही करीबी व शायद रिस्तेदार भी है जिससे नितिन ताम्रकार के अध्यक्ष पद बैठने से कोई नही रोक सकता वही इस बात की भी चर्चा बड़ी जोरो से है सूत्र यह भी दावा कर रहे है कि शीतल नितिन ताम्रकार मैहर विधायक खेमे से भी है तो ऐसे में इनका विरोध कोई नही करने वाला इनके अध्यक्ष बनने से मैहर के रसूखदार नेता की भी बल्ले बल्ले हो जाएगी और रिस्तेदार व भाजपा की भी बात रह जायेगी जिसमे चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि श्रीमति शीतल नितिन ताम्रकार को कितने पार्षद पसंद करते है, वही श्रीमती गीता संतोष सोनी को भी जमीनी स्तर से लोग जानते है और भाजपा के सेवक पुराने थे लेकिन चुनाव जीतने के बाद पार्षदी पहली बार है जो देखा जाए तो नया चेहरा होगा नगर पालिका मैहर के लिए वैसे कुछ लोग भू माफिया के आरोप भी लगा रहे है जबकि जमीनी कारोबारी है ये सच है लेकिन प्रशासनिक तौर पर कही भी भू माफिया साबित नही हुआ है सवाल यह उठ रहा है कि जनता भी समझ रही है कि ज्यादा तर नेता जो चुनाव लड़कर जितने वाले कोई दूध बेचकर नही जीत हासिल करते है किसी न किसी तरह का व्यपार करते है तभी चुनावी मैदान में टिक पाया है वो जमाने चले गए कि एक व्यक्ति साइकिल से चलकर वोट मांगने वाला चुनाव जीत पाए, वैसे भी मैहर के लोगो ने तो ललिता सूर्यप्रकाश चौरसिया को भी अध्यक्ष पद पर कार्य शैली देखी है, श्रीमती संतोष चौरसिया को भी उपाध्यक्ष पद पर रहकर सेवा कार्य देखा है नितिन ताम्रकार को भी पार्षदी पद पर रख कर देख चुके है।

मैहर के भदनपुर में सरस्वती स्व सहायता समूह को षडयंत्र पूर्वक बनाया जा रहा विवादित

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। शासकीय स्कूल में सहायता समूह के माध्यम से गरीब बच्चों को भोजन सरकार द्वारा खिलाया जा रहा है ऐसा ही समूह भदनपुर बस स्टैंड में स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में आज कई वर्षों से संचालित हो रहा है जिसका नाम सरस्वती स्व सहायता समूह है जिसके अध्यक्ष ने मीडिया के सामने पक्ष रखते हुए कहा की राजनैतिक षडयंत्र पूर्वक उनके स्व सहायता समूह को बदनाम करने की कोशिश सरपंच द्वारा की जा रही है अध्यक्ष का आरोप है की नवगत सरपंच ने कुछ लोगो से चुनाव के समय वादा किया था तुमको समूह दिलवाएंगे जिस कारण कक्षा6-8 तक संचालित समूह की झूठी बाते करके मीडिया के माध्यम से अधिकारियों के ऊपर दवाब बनाकर हमे परेशान करने की कोशिश की जा रही है वही सरपंच ने निरीक्षण के दौरान कक्षा1 से 5वी तक संचालित होने वाले स्व सहायता समूह का निरीक्षण नही किया,जबकि हमारे द्वारा बच्चो का ख्याल रखते हुए कार्य किया जाता है उसके बाद भी हमे परेशान किया जा रहा है!

विश्व स्तनपान सप्ताह के चलते इनरव्हील क्लब वीरांगना द्वारा वर्कशॉप का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। इनरव्हील क्लब वीरांगना द्वारा स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत एक वर्कशॉप का आयोजन जेन्या हॉस्पिटल झाँसी में किया गया, हॉस्पिटल, दीप हॉस्पिटल व डिस्ट्रिक्ट वुमन हॉस्पिटल के नर्सिंग स्टाफ भी सम्मिलित हुए। क्लब के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी दी, जिसमें डॉ. कल्पना सिंह, शशि गर्ग व सविता अग्रवाल

जिसमें डॉक्टर सपना सह-आचार्य, शिशु विभाग महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज झाँसी द्वारा स्तनपान से होने वाले फायदों के बारे में बताया गया, इस वर्कशॉप को क्लब अध्यक्ष ममता यादव द्वारा संचालित किया गया।इसमें लक्ष्मण सेठ भी अहम रूप से उपस्थित रहीं। इस वर्कशॉप का आयोजन व निर्देशन क्लब सचिव डॉ. इंदु सक्सेना ने किया। डॉ. इंदु सक्सेना बाल रोग विशेषज्ञ ने भी इस संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी, अंत में आभार क्लब सचिव डॉ इंदु सक्सेना ने व्यक्त किया।

13 अगस्त को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस मनायेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल नोएडा के पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल एन सी आर अध्यक्ष सुनील गुप्ता के नेतृत्व मे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल एवम सहयोगी संस्थाओ द्वारा भव्य रूप से 13 अगस्त को आयोजित किये जाने वाले अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा की गई । व्यापारियों की कुछ समस्याओं को लेकर आज अपने विधायक पंकज सिंह से मुलाकात कर उनको अवगत करवाया गया। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि नोएडा मे व्यापारियों की जो भी समस्याए है उन्हें निस्तारित किया जाए। इस मौके पर डॉ डी के गुप्ता , सुधीर पोरवाल , राधा कृष्ण गर्ग , मनोज गुप्ता , अमित अग्रवाल, श्रीमती कुम्मु जोशी भटनागर , श्रीमती नीता बाजपेयी, श्रीमती भारती नेगी आदि कई पदाधिकारी मौजूद रहे ।

एसटीएफ और झाँसी पुलिस ने मादक पदार्थ सहित पकड़े तस्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। मादक पदार्थ की मंडी कहे जाने वाले उड़ीसा इलाके से होकर मादक पदार्थों की तस्करी का झाँसी मुख्यालय बन चुका है। पिछले कई सालों में कई बार एटीएस, एसटीएफ और झांसी पुलिस ने इस तस्करी का भंडाफोड़ किया है। लेकिन आज तक टीम उनके मुख्य सूत्रधार तक नही पहुंच पाई। यूपी एसटीएफ की आगरा यूनिट को सूचना मिली थी कि उड़ीसा से मादक मदार्थ गांजा भारी मात्रा में तस्करी कर धौलपुर झांसी के रास्ते लाया जा रहा है। इस पर एसटीएफ आगरा यूनिट ने झांसी एसएसपी शिवहरि मीना के निर्देशन मे थाना सीपरी बाजार प्रभारी निरीक्षक देवेश शुक्ला ओर उनकी टीम के साथ रात्रि में नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की। शिवपुरी हाईवे पर एक चार पहिया गाड़ी म्र 10 8584 ओर उसके पीछे आ रहे ट्रक क्रमांक आरजे 11 जीजे 4512 जिसमे पौधे के बीच में गांजे की बोरिया भरी पड़ी थी। पुलिस ओर एसटीएफ ने रोक कर तलाशी ली। इस दौरान ट्रक में पौधों के बीच में चार कुंटल चालीस किलो अवैध गांजा बरामद किया। बताया जा

रहा यह गांजा उड़ीसा से आगरा कोई मोंटी माफिया के लिए जा रहा था। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम झासीराम निवासी पहाड़ी धौलपुर, शेख चिलानी निवासी उड़ीसा, अमृत पाल निवासी धौलपुर, सुधीर निवासी ग्वालियर रोड आगरा बताया है। टीम ने इनके खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को ब्रम्हचारी कुटी में हुआ भगवान शिव का पूजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पावन श्रावण मास के तीसरे सोमवार को सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में भगवान शिव का विधि विधान से अभिषेक पूजन किया । बम बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर शिवमय हो गया इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान शिव भाव से की गई थोड़ी सेवा से ही प्रसनन्न हो जाते हैं । श्रावण मास के सभी

व पूजन कराया गया। पंडित मनोहर दीक्षित शास्त्री एवं पंडित सुमित दीक्षित शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सुबह 4 बजे से भगवान शिव का दुग्धधारा से अभिषेक कराया गया। रुद्राभिषेक के बाद भगवान शिव का श्रृंगार किया गया और आरती की गई व प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान तमाम शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक एवं बिल्वपत्र अर्पित कर सोमवार को भगवान शिव की आराधना विशेष फलदायी है। महादेव भक्तों के सारे कष्ट दूर कर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।भगवान शिव सभी का कल्याण करें। इस अवसर पर कुटी व्यवस्थापक पिंटू बाबा, अनमोल झा, पंडित महिपाल शर्मा, अशोक कुमार, ओम कुशवाहा, सुरेंद्र यादव, नेपाल चौहान, पुष्पेंद्र बंसल , सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

बिना जांच आख्या लगाने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्यवाही: संजय गोयल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। फरियादियों को न्याय दिलाना, आइजीआरएस और जन शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण करना नवांगतुक मंडलायुक्त की पहली प्राथमिकता

है। झाँसी मंडल का मंगलवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए मंडलायुक्त संजय गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार फरियादियों की समस्याओं का समय पर निस्तारण करना और कराना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा जन शिकायत, आइजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाये। साथ ही उन्होंने कहा फरियादी एक बार आए और उसे पहली बार में ही न्याय मिले वह बार बार भटकना नहीं चाहिये इसके लिए वह सभी अधिकारियों को निर्देशित करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना हर घर जल हर घर नल योजना को वह समय पर पूर्ण करायेंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं पानी की समस्या को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे और जो भी समस्याएं होंगी उसका निस्तारण कराया जायेगा। वही उन्होंने कहा कई बार शिकायत मिलती है कि शिकायतकर्ता से बिना मिले जांच करने वाला अधिकारी कार्यालय में बैठ कर फर्जी आख्या लगाकर निस्तारण कर देता है अगर ऐसे प्रकरण उनके प्रकाश में आये तो वह कठोर कार्यवाही करेंगे। उन्होंने कहा सरकार द्वारा भू माफियाओं के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान को जारी रखा जायेगा सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया जायेगा। वही बुंदेली कलाकारों को प्रोत्साहित करने और बुंदेलखंड की संस्कृति और कलाकारों को संजोये रखने के लिए चलाई गई योजना को बरकरार रखा जायेगा। उन्होंने कहा बुंदेलखंड कि संस्कृति धरोहर बहुत महत्वपूर्ण है। वही उन्होंने बताया की बुंदेलखंड में कमिशन्र के रूप में जनपद झाँसी में उनकी दूसरी पोस्टिंग है, इसके पहले वह प्रयागराज में कमिश्नर के पद पर रहे।

मोना सिंह को ट्रोल किए जाने पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 57 साल का हूं तो क्या

नई दिल्ली। यह पहला मौका नहीं है जब आमिर खान और मोना सिंह एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रहे हैं। इससे पहले दोनों राजकुमार हिरानी की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर कलाकारों को ट्रोल किया जा रहा है मोना सिंह को किया गया ट्रोल दरअसल, आमिर के अलावा इस फिल्म में उनकी मां किरदार निभाने वाली मोना सिंह को भी ट्रोल किया क्रिएटिव पर्सन अगर मैं 103 के शख्स का किरदार निभा रहा हूं तो क्या ये मेरे लिए गलत होगा? केवल इसलिए क्योंकि मैं 57 साल का हूं। ये क्या तर्क है?' उन्होंने आगे

फिल्म 'थ्री इडियट्स' में नजर आ चुके हैं। फिल्म में मोना ने करीना कपूर खान की बहन का रोल प्ले किया था। आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म लाल सिंह चड्ढा की वजह से सुर्खियों में हैं। इसकी रिलीज डेट नजदीक है जिसकी वजह से वह फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इस दौरान वह मीडिया से भी लगातार मुखातिब हो रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान उन सभी सवालों का जवाब दिया जिसकी वजह से उनकी फिल्म या इससे जुड़े जा रहा है। सोशल मीडिया पर लोग फिल्म की कास्टिंग को लेकर सवाल उठा रहे हैं कि क्यों 40 साल की मोना को आमिर की मां का रोल ऑफर किया गया? अब इस पर आमिर ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है।आमिर ने कही ये बात इंटरव्यू में बातचीत के दौरान आमिर ने ट्रोल्स को जवाब देते हुए मोना सिंह का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार की यही कला होती है कि वह किसी भी उम्र का किरदार आसानी से निभा ले। आमिर ने कहा, 'मैं आपसे सवाल करता हूं बतौर एक्टर बतौर कहा कि एक्टर की कोई उम्र नहीं होती। वह स्क्रीन पर किसी भी उम्र का दिख सकता है, जबकि उसकी असली उम्र कुछ और होती है। इस फिल्म में साथ आए थे नजर बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब आमिर खान और मोना सिंह एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रहे हैं। इससे पहले दोनों राजकुमार हिरानी की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थ्री इडियट्स' में नजर आ चुके हैं। फिल्म में मोना ने करीना कपूर खान की बहन का रोल प्ले किया था।

क्लासिक प्रेम कथा है मृणाल की 'सीता रामम'

नई दिल्ली। फिल्म के बजट से लेकर कास्ट और कहानी तक यहां जानें सब अपनी काबिलियत और मेहनत की बदौलत टीवी से बॉलीवुड तक पहचान बनाने वाली मृणाल ठाकुर आज सिनेमा का उभरता हुआ सितारा है। फिलहाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सीता रामम' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के अपोजिट अभिनेता दलकीर सलमान भी नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का पहला लुक कुछ दिनों पहले ही जारी किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही दर्शकों रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। तो चलिए फिल्म की रिलीज से पहले, इसकी स्टार कास्ट, बजट से लेकर कहानी तक के बारे में जानते हैं खास बातें। मृणाल ठाकुर अब तक बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हालांकि उन्हें सही मायनों में लोकप्रियता फिल्म जर्सी से हासिल हुई है। भले ही ये फिल्म फ्लॉप रही हो लेकिन दर्शकों से लेकर सेलेब्स तक ने मृणाल के अभिनय की काफी सरहाना की थी। फिल्म 'सीता रामम' अभिनेत्री मृणाल की साउथ में डेब्यू फिल्म है, वहीं अभिनेता दलकीर सलमान की भी दक्षिण भारतीय सिनेमा में ये दूसरी फिल्म है। ऐसे में इस फिल्म का सफल होना मेकर्स के साथ दोनों लीड कलाकारों के लिए भी काफी मायने रखता है।'सीता रामम' हनु राघवपुडी के निर्देशन में बनी है। वहीं यह स्वप्न सिनेमा बैनर सहित अश्विनी दत्त द्वारा निर्मित और वैजयंती मूवीज द्वारा प्रस्तुत है। बात करें स्टार कास्ट की तो 'सीता रामम' में दलकीर सलमान (राम), रश्मिका मंदाना (आफरीन), मृणाल ठाकुर(सीता महालक्ष्मी), के किरदारों में नजर आने वाले हैं। वहीं सुमंत, गौतम वासुदेव मेनन, भूमिका चावला और थारुन भास्कर आदि भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बात करें बजट की तो अभी सामने आई जानकारी के मुताबिक फिल्म 'सीता रामम' को बनाने में 25 से 30 करोड़ की लागत लगी है। वहीं यह जानकारी सामने नहीं आई है कि मृणाल और दलकीर ने इस फिल्म के लिए कितनी फीस ली है। 'सीता रामम' की पहले दिन की कमाई अगर 10 करोड़ होती है तो ये एक अच्छी शुरुआत हो सकती है और आगामी दिनों में फिल्म काफी अच्छा कारोबार कर सकती है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की फिल्म जर्सी एक स्पोर्ट ड्रामा थी लेकिन

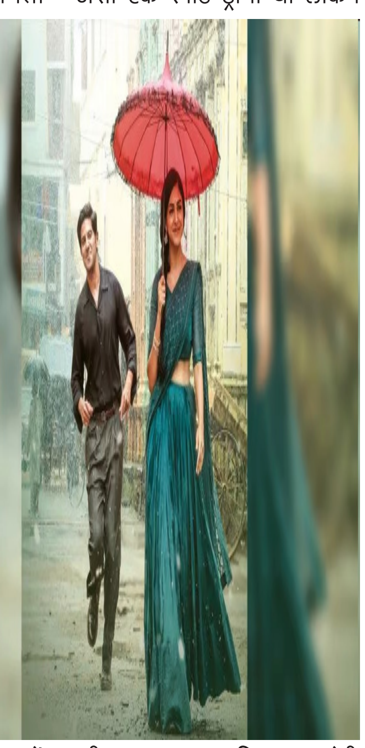

'सीता रामम' एक क्लासिक लव स्टोरी होगी। जो 80 और 60 के दशक में की एक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में सलमान एक सैनिक के किरदार में है जबकि मृणाल उनकी प्रेमिका का किरदार निभा रही है। इस फिल्म के जरिए एक खूबसूरत प्रेम कहानी को पर्दे पर उकेरा जाएगा। 'सीता रामम' में रश्मिका मंदाना का किरदार बेहद खास होने वाला है क्योंकि वह आफरीन नाम की लड़की के किरदार में नजर आने वाली हैं। ट्रेलर में इसकी झलक दिखाई गई थी, जो लोगों को बेहद पसंद आई थी। वहीं मृणाल और दलकीर की केमिस्ट्री भी फैंस को काफी अच्छी लग रही है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म के लिए खास तौर पर तेलुगू भाषा की ट्रेनिंग ली है। वह हर रोज दो घंटे अपनी भाषा और व्याकरण पर काम करती थीं। यह फिल्म तेलुगू के साथ तमिल, मलयालम और हिंदी भाषा में भी रिलीज की जाएगी। 'सीता रामम' के मेकर्स की तरफ से फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तारीख 05 अगस्त 2022 रखी गई है। जानकारी के मुताबिक, इस पैन इंडिया फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग भी ओपन कर दी गई है।

रिलीज से पहले नंदमुरी की फिल्म ने कमाए लाखों, जानें किस शहर में हुआ कितना कारोबार

नई दिल्ली। देशभर में इन दिनों साउथ फिल्मों का तेजी से बढ़ता जा रहा है। साउथ सिनेमा की फिल्में

अब सिर्फ किसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है। अब देशभर में टॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में अब देशभर में लोग बेसब्री से इन फिल्मों का इंतजार करते हैं। इसी क्रम में अब साउथ इंडस्ट्री में एक और नई फिल्म जल्दी ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। नंदमुरी कल्याण राम स्टारर फिल्म 'बिंबिसार' इस हफ्ते रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी बीच फिल्म रिलीज से पहले इसकी एडवांस बुकिंग के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं। तो आइए जानते हैं फिल्म ने रिलीज पहले कमाए कितने करोड़ रुपये- सामने आए शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म में तेलुगू भाषा में पहले दिन कुल 41 लाख रुपये की कमाई की है। इनमें से हैदराबाद में फिल्म ने करीब 32.94 लाख का कारोबार किया है। वहीं वारंगल 1.4 लाख की कमाई की है। इसके अलावा फिल्म ने वायजैक और विशाखापटन में फिल्म ने 1.59 लाख का कलेक्शन किया है। जबकि निजामाबाद में फिल्म ने 88.4 हजार की कमाई कर ली है।इसके अलावा करीमनगर में फिल्म ने 50 हजार का बिजनेस किया है। वहीं, बात करें महबूबनगर की तो फिल्म ने यहां पर 30.11 हजार की कमाई कर ली है। इसके साथ ही काकीनाडा में नंदमुरी कल्याण राम की फिल्म 'बिंबिसार' ने एडवांस बुकिंग में 63.4 हजार की कमाई की है। जबकि राजामुंदरी में इस फिल्म ने 2.02 लाख की कमाई की है। फिल्म की कमाई देख यह कहा जा सकता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धमाकेदार होने वाली है। फिल्म की बात करें तो एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बन रही 'बिंबिसार' एक तेलुगू फिल्म है। यह फिल्म 05 अगस्त 2022 को रिलीज होगी। इसमें अभिनेता नंदमुरी कल्याण राम, राजा बिंबिसार का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं। मगध साम्राज्य के सम्राट बिंबिसार पर आधारित इस फिल्म को मल्लीदी वशिष्ठ ने लिखा है और वही इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

35 साल बाद तेलुगू फिल्म में काम करेंगे अनुपम खेर रवि तेजा के साथ मिलकर मचाएंगे पैन इंडिया धमाल

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी 528वीं फिल्म की घोषणा कर दी है। यह एक तेलुगू फिल्म है, जिसमें अनुपम खेर

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। 'द कश्मीर फाइल्स' के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल द्वारा निर्मित 'टाइगर नागेश्वर राव' तेलुगू, तमिल, कनन्ड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज होगी। बता दें कि अनुपम खेर 35 साल बाद तेलुगू फिल्म में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 1987 में आई 'त्रिमुर्तुलु' में डॉन का किरदार निभाया था। फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' से अनुपम खेर का लुक भी सामने आ गया है। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'मेरी 528वीं फिल्म तेलुगू में है जिसके हर डिपार्टमेंट में बहुत टैलेंट है!' बता दें कि अनुपम पहले इस फिल्म से रवि तेजा का लुक भी सामने आ चुका है। यहां देखिए दोनों का लुक 'टाइगर नागेश्वर राव' एक बायोपिक है, जो कुख्यात चोर पर आधारित है। इस फिल्म को 70 के दशक में सेट किया गया है। इस शूटिंग स्टुअर्टपुरम नामक गांव में होगी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस फिल्म में अभिनेता रवि तेजा की बॉडी लैंग्वेज, डिक्शन और गेटअप पूरी तरह से अलग होने वाला है। यह अभिनेता का पहले कभी नहीं देखा गया अवतार होने वाला है। इस फिल्म में अनुपम खेर और रवि तेजा के अलावा नूपुर सेनन और गायत्री भारद्वाज मुख्य भूमिका में हैं। अनुपम खेर की आगामी फिल्म्स की बात करें तो अभिनेता जल्द ही 'ऊंचाई', 'द सिगनेचर', 'कार्तिकेय 2', 'शिव शास्त्री बलबोआ', 'मुंजीलाल रॉक्स' और 'कनेक्ट' में नजर आने वाले हैं। बता दें कि अनुपम खेर भले ही बॉलीवुड एक्टर है कि वह मलयालम, हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में बन रही कई फिल्मों में काम कर चुके हैं।

2022 में यशराज की फिल्मों का बंटाधार, क्या दर्शकों को थिएटर तक लाने में सफल होंगे सलमान-शाहरुख

नई दिल्ली। साल 2022 को सात महीने बीत चुके हैं और इन सात महीनों में कई बड़ी हिंदी फिल्में रिलीज हुई। लेकिन ज्यादा फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया। इसमें यशराज फिल्म्स की बड़ी फिल्में भी शामिल हैं। यशराज फिल्म्स ने हिंदी सिनेमा को कई शानदार फिल्में दी हैं। लेकिन बीते सात महीने इनके लिए किसी बुरे सपने जैसे साबित हुए हैं। साल का टोटल कलेक्शन किया था। जयेशभाई जोरदार के बाद यशराज के बैनर तले बनी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिससे लोगों को काफी उम्मीदें थीं। फिल्म में अक्षय कुमार सम्राट पृथ्वीराज की भूमिका में दिखे थे और मानुषी छिल्लर ने इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। जब इस फिल्म का ट्रेलर सामने आया था। तभी शूटिंग लॉकडाउन से पहले ही हो गई थी और जब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तब फैंस द्वारा इसे खूब पसंद किया गया। ट्रेलर में लोगों को रणबीर कपूर की मासी इमेज देखने को मिली थी, जिस वजह से दर्शकों को फिल्म से काफी उम्मीदें थीं। लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। 150 करोड़ के कलेक्शन में बनी यह फिल्म अब

2022 में अब तक यशराज फिल्म्स की तीन बड़ी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, जिनका बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ। आइए आपको इन फिल्मों के कलेक्शन के बारे में बताते हैं। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' का जब ट्रेलर सामने आया था तब ही लोगों ने अनुमान लगा लिया था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल होने वाली है। हालांकि, रणवीर सिंह ने अपनी फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन किया, जिस वजह से लोगों ने भी फिल्म के अच्छे कलेक्शन की उम्मीद कर ली। हालांकि, ऐसा हो नहीं पाया। यशराज के बैनर तले बनी यह फिल्म 13 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और पहले वीकेंड पर ही इस फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया। 86 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने महज 26.31 करोड़ लोगों ने अक्षय कुमार को सम्राट पृथ्वीराज के रूप में नकार दिया था। लेकिन लोगों ने उम्मीद लगाई थी कि फिल्म की कहानी और कलाकारों की एक्टिंग कमाल की होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस फिल्म की कहानी को भी दर्शकों ने पसंद नहीं किया, जिस वजह से बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म भी बुरी तरह फ्लॉप हुई। 175 करोड़ के बजट में बनी 'सम्राट पृथ्वीराज' महज 68.05 करोड़ का कलेक्शन किया था। 22 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म शमशेरा अब भी सिनेमाघरों में लगी हुई है लेकिन पहले वीएकंड पर ही इस फिल्म को दर्शकों ने फ्लॉप साबित कर दिया। यशराज बैनर तले बनी इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर चार साल बाद बड़ी स्क्रीन पर नजर आए थे। फिल्म की तक सिर्फ 40 से 45 करोड़ के आसपास ही जुटाने में कामयाब हो पाई है। यशराज बैनर तले हिंदी सिनेमा में तक 80 से ज्यादा फिल्में रिलीज हुई हैं, जिसमें से कुछ ने शानदार कमाई की। लेकिन साल 2022 में रिलीज हुई इन फिल्मों ने यशराज फिल्म्स पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब ये कहा जा सका है कि यशराज फिल्म्स ने जब-जब पीरियड ड्रामा पर हाथ डाला तब-तब फिल्में फ्लॉप हुईं। ऐसे में अब दर्शकों की निगाहें यशराज के बैनर तले बन रही अगली फिल्म 'टाइगर 3' और 'पठान' पर हैं, जो अगले साल यानी 2023 में रिलीज हो रही हैं। देखना होगा कि क्या ये दोनों फिल्में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहती है या नहीं।

रश्मिका से लेकर सामंथा तक खुद को ऐसे फिट रखती हैं साउथ की ये एक्ट्रेसेस

नई दिल्ली। आजकल सभी खुद को फिट रखने के लिए एक हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना चाहते हैं। अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के लिए लोग कड़ी मेहनत भी करते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो फिट होना चाहते हैं पर आखिरी मौके पर अपने कदम पीछे हटा लेते हैं। यदि आप भी ऐसे लोगों में शुमार

हैं, तो ये खबर आपके लिए ही है। आज हम आपको साउथ सिनेमा की कुछ ऐसी अभिनेत्रियों से मिलवाने जा रहे हैं, जो खुद को फिट रखने के लिए घंटों जिम में पसीना बहाती हैं। इन अभिनेत्रियों से प्रेरित होकर आप भी खुद को फिट रख सकते हैं। तो चलिए बताते हैं आपको इन एक्ट्रेसेज की फिटनेस का राज साउथ की स्टार सामंथा भी खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। वह अपनी डाइट और एक्सरसाइज को कभी भी स्किप नहीं करतीं और कम से कम एक घंटे वर्कआउट जरूर करती हैं। वह वेट ट्रेनिंग करना पसंद करती हैं और अपने ट्रेनर के बनाए रूटीन को फॉलो करती हैं। इसके अलावा वह नियमित योग करती हैं। उन्हें पावर योगा और एरियल योगा करने से शरीर में लचीलेपन के साथ स्ट्रेस कम करने में मदद मिलती है। वह बैलेंसिंग वाले योग भी करती हैं, जिससे स्टेबिलिटी बढ़ती है। इसके अलावा वह अपनी डाइट का भी काफी ध्यान रखती हैं। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी खुद की फिटनेस का काफी ख्याल रखती हैं। वह खुद को फिट रखने के हफ्ते में एक बार योग जरूर करती हैं। इसके अलावा वह जिम में भी जमकर पसीना बहाती हैं। वह काडिय्यो और वेट ट्रेनिंग करना भी पसंद करती हैं। कीर्ती ने अपनी डाइट और एक्सरसाइज पर ध्यान देकर गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया था। वहीं, वह अक्सर सोशल मीडिया पर भी अपनी वर्कआउट फोटो साझा करती हैं'पुष्पा' की श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना को लोग काफी पसंद करते हैं। रश्मिका फिटनेस फ्रीक हैं और कभी भी वर्कआउट करना नहीं भूलती हैं। वह अक्सर अपनी वर्कआउट करते हुए तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका ने बताया था कि वह हफ्ते में चार बार वर्कआउट जरूर करती हैं। वह अक्सर किकबॉक्सिंग, स्किपिंग, स्विमिंग, फास्ट वॉकिंग, डांसिंग और पावर योगा का अभ्यास करती हैं। काडिय्यो के अलावा रश्मिका वेट ट्रेनिंग भी करती हैं। श्रुति हासन भी अपने खूबसूरती और फिटनेस को लेकर सुखियों में रहती हैं। श्रुति डाइट और वर्कआउट रूटीन फॉलो करने के साथ ही अपनी नींद का भी काफी ध्यान रखती हैं। उनका मानना है कि फिट रहने के लिए नींद पूरी होना जरूरी है, ऐसे में वह आठ घंटे की नींद लेने की पूरी कोशिश करती हैं।

विरोध के बाद आमिर खान ने फिल्म में किया बदलाव, क्या बायकॉट की मांग का है असर

नई दिल्ली। लाल सिंह चड्ढा के जरिए आमिर खान करीब चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान के साथ करीना कपूर भी नजर आने वाली हैं। लाल सिंह चड्ढा के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। वह लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे इस फिल्म को बॉयकॉट न करें। आमिर खान ने इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान मीडिया मीडिया से बातचीत की और अन्य भाषाओं की फिल्मों का स्वागत कर सकती है, तो उन्हें भरोसा है कि साउथ की ऑडियन्स उनकी फिल्मों को जरूर पसंद करेगी। आमिर खान ने बताया कि इस फिल्म के एक प्वाइंट पर साउथ के

काफी लंबे इंतजार के बाद ये फिल्म रक्षाबंधन पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। आमिर खान के फैंस जो उनकी फिल्मों के लिए महीनों इंतजार करते थे, जिनकी फिल्में देखने के लिए टिकट ब्लैक में बिकते थे और सोशल मीडिया पर खूब बज होता था। लेकिन लाल सिंह चड्ढा के साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है, बल्कि फैंस इस फिल्म को बॉयकॉट करने की मांग कर रहे हैं। आमिर खान जोर-शोर से अपनी फिल्म में किए गए बदलाव के बारे में बताया। आमिर खान ने कहा फिल्म की साउथ स्क्रीनिंग में बदलाव किया गया है। आमिर खान ने अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा साउथ के सुपरस्टार्स एसएस राजामौली, नागार्जुन और चिरंजीवी को दिखाया। उन्होंने इस फिल्म के बारे में साउथ के स्टार का रिएक्शन लिया। जिसके बाद आमिर खान ने कहा अगर हिंदी ऑडियन्स तेलुगू, तमिल और सभी स्टार का एक जैसा रिएक्शन था। आमिर ने कहा वो प्वाइंट मैं आपको नहीं बता सकता, लेकिन उसके बाद हमने लाल सिंह चड्ढा में कुछ बदलाव किया और उस बदलाव बहुत सही था। आमिर खान ने बताया कि हमने फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद एक चीज को बदला है। हालांकि उन्होंने फिल्म में क्या बदलाव किया है, इसके बारे में नहीं बताया। बता दें कि लाल सिंह चड्ढा 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अर्जुन कपूर की फिल्म में भी नजर आ चुके हैं जितेन लालवानी

नई दिल्ली। इस सीरियल ने रातोंरात किया था मशहूर जितेन लालवानी छोटे पर्दे के मशहूर अभिनेता है। वह हर

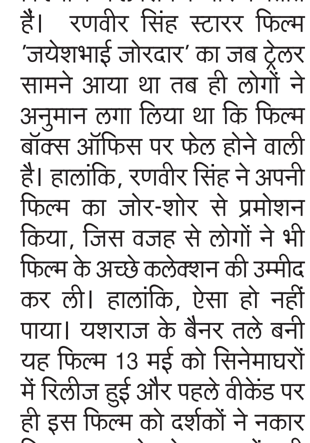

साल 3 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाते है। टीवी की दुनिया में उन्हें क्योंकि सास भी कभी बहू थी में किरण वीरानी, ससुराल गेंदा फूल में इंदर कश्यप और नागिन 3 में समरजीत की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। टीवी के अलावा वह फिल्मों में भी नजर आ चुके है। जितेन लालवानी का जन्म उत्तर प्रदेश के कानपुर में हुआ था। उनकी पतनी का नाम दीपिका लालवानी है। उनके दो बच्चे पलक और आदित्य है। पलक भी अपने पिता की तरह ही एक्टिंग में सक्रिय है। साल 1993 में जितेन एक्टर बनने के सपना लिए मुंबई आए थे। इसी साल उन्हें मकरंद देशपांडे द्वारा निर्देशित 'यात्री' नाटक में एक छोटा सा रोल मिला गया। टीवी पर उन्हें सबसे पहला मौका रमन कुमार की टीवी सीरीज कैफे 18 में मिला। इसके बाद वह 'विष्णु पुराण', 'शतरंज', 'परम्परा', 'हसरतें', 'कर्तव्य' जैसे सीरियल में नजर आए लेकिन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' शो में किरण वीरानी के किरदार ने उन्हें घर-घर तक मशहूर कर दिया। यह सीरियल साल 2000 में प्रसारित हुआ था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस. डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

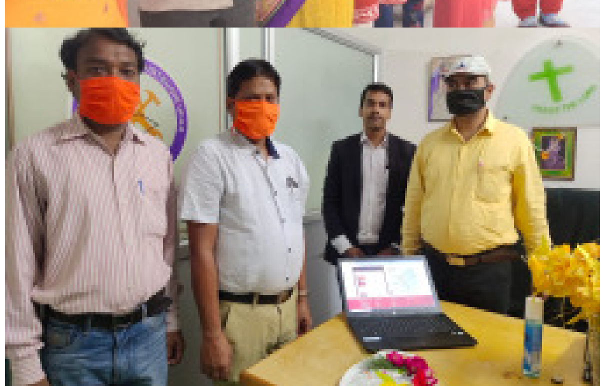

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

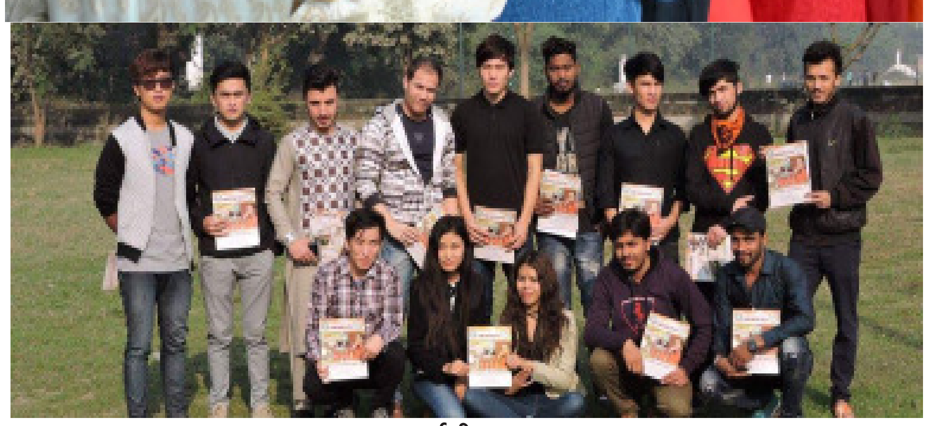

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

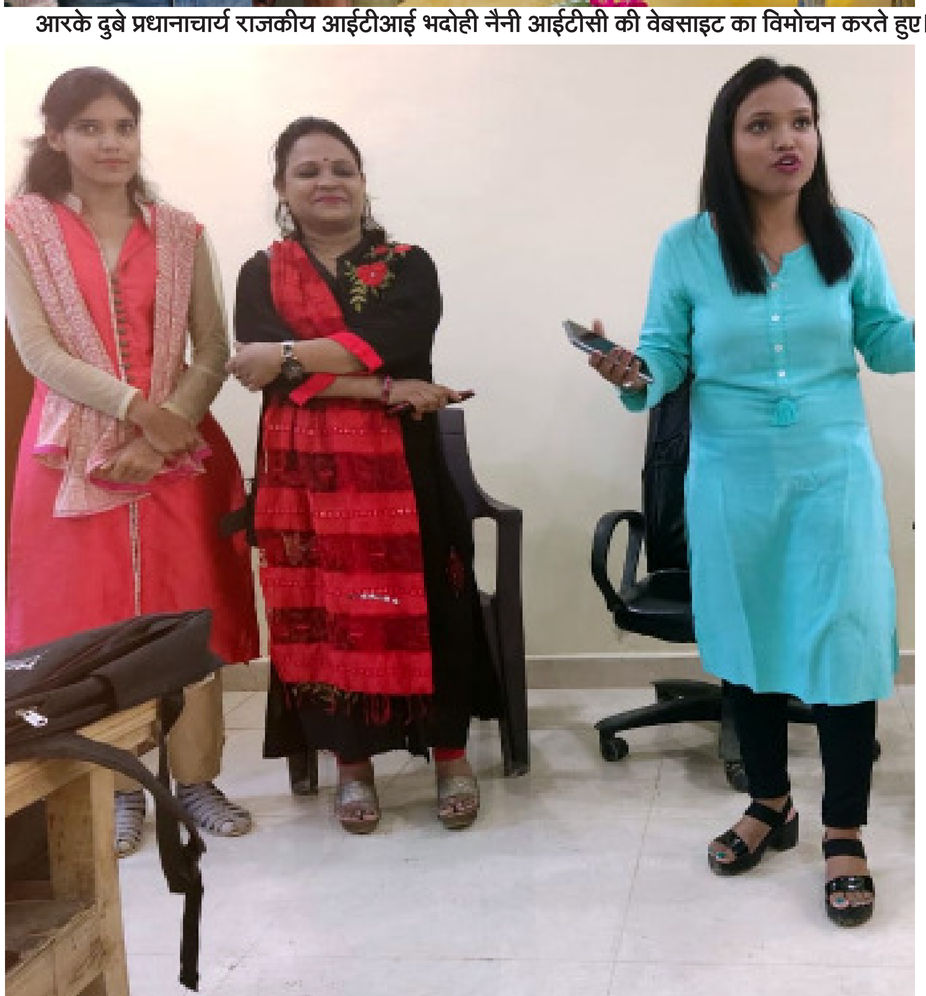

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्पुटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274